सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 06 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

तंत्र साधना में जुटा था परिवार, दो भाइयों की मौत, तीन भर्ती

सक्ति। तंत्रसाधना के चक्कर में जुटे एक परिवार के दो भाइयों की मौत हो गई है। मामला जिले के ग्राम तांदुलडीह का है। यहां रहने वाली महिला फिरित बाई अपने तीन बेटे और दो बेटियों के साथ उज्जैन के किसी बाबा की फोटो को सामने रखकर सात दिनों से उपवास कर जाप कर रही थी। वहीं, घर से किसी के बाहर नहीं आने और चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसियों के कहने पर उसके चचेरे भाई ने दरवाजा खोलवाया तो महिला फिरित बाई ने कहा कि घर में पूजा पाठ चल रहा है। घर में झांकने पर पता चला कि विकास गोड़ और विक्की गोड़ जमीन पर पड़े हुए हैं। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों भाइयों को उपचार के लिए जिला अस्पताल शक्ति में लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने जांच बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिसमें पता चला सकेगा कि मौत किस कारण से हुई है। वहीं, घर मे मौजूद महिला उसकी दो बेटी और एक बेटे की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने पर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर के मुआवजे में अफसरों ने कर दिया खेल

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर के चल रहे काम के बीच मुआवजे का नया खेल सामने आया है। जांच के बाद कई अफसरों पर कार्रवाई की गई है। इस कॉरिडोर के लिए जमीन का अधिग्रहण किया गया था। इसी में अफसरों ने फर्जीवाड़ा कर करीब 42 करोड़ का खेल किया है। जांच के बाद एक तहसीलदार व 3 पटवारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। मामले की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सामने आई। इस रिपोर्ट के बाद गोबरा नवापारा के तत्कालीन नायब तहसीलदार लखेश्वर प्रसाद किरण और पटवारी जितेंद्र साहू, दिनेश पटेल और लेखराम देवांगन को निलंबित कर दिया गया है। वहीं भू- अर्जन में गड़बड़ी की शिकायत भी मिली है।

गौरतलब है कि मामले की पहले तत्कालीन रायपुर कलेक्टर ने जांच कराई थी। इस जांच में गड़बड़ी का खुलासा हुआ था। इसी के चलते अभी इस जगह पर भू-स्वामियों ने 2.41 किमी तक कॉरिडोर के काम पर भी रोक लगा दी गई है। इसी के कारण इस प्रोजेक्ट का कार्य भी रुका हुआ है। जानकारी मिली है कि अभनपुर में अधिकारियों ने इकॉनोमिक कॉरिडोर की जद में आने वाली जमीन का अधिग्रहण किया है। इन जमीन मालिकों को अधिग्रहण के दौरान वास्तविक से अधिक मुआवजा दिला दिया। इस मामले में ये माना मिलीभगत की बात सामने आई है। इसी के चलते इस मामले की शुरुआती जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है।

उड़ीसा होकर आंध्र तक जाएगा कॉरिडोर

रायपुर से विशाखापट्टनम तक 464 किलोमीटर सड़क तीन राज्यों से होकर जाएगी। यह सड़क छत्तीसगढ़ में 124.611 किमी, ओडिशा 262.211 किमी और आंध्र प्रदेश 99.629 किमी की सड़क है। इसके निर्माण में 4 हजार करोड़ के लगभग खर्च होंगे। इसी रोड के निर्माण के दौरान केशकाल की पहाड़ियों में सुरंगनुमा सड़क का निर्माण होना है। यह सुरंग दुधावा डैम के पास से होकर कांकेर केशकाल की पहाड़ियों से होकर एक्सप्रेस-वे सलना-पलना के बाद ओडिशा में प्रवेश करेगी। इसी के साथ ही 70 किलोमीटर का एरिया वन विभाग में भी आ रहा है।

जमीन का टुकड़ों में बांटकर दिया मुआवजा

केंद्र की ओर से जानी जमीन अधिग्रहण के नियमों के बारे में दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसी नियम के तहत ग्रामीण क्षेत्र में 500 वर्गमीटर से कम जमीन है तो उसका मुआवजा ज्यादा मिलता है। यदि 500 वर्गमीटर से जमीन अधिक है तो उसका रुपया कम मिलता है। इसको ऐसे समझें कि एक एकड़ जमीन का मुआवजा 20 लाख रुपए होगा। यदि इसी जमीन को टुकडों में बांट दिया जाए और 500 वर्गमीटर से कम किया जाए तो ये मुआवजा बढ़कर करीब एक करोड़ रुपए हो जाएगा। इधर ऐसा ही हुआ, जहां रायपुर- विशाखापट्टनम कॉरिडोर के पास होते ही बड़े-बड़े रसूखदार लोगों ने अधिकारियों से मिलीभगत कर अधिकतर जमीन को 500 वर्गमीटर से कम कर दिया। इसी वजह से मुआवजे की राशि बहुत अधिक बढ़ गई। इससे अफसरों को शक हुआ और इसकी जांच कराई तो पूरे मामले का खुलासा हुआ।

83 किलोमीटर कम होगी दूरी

एनएचएआई की माने तो वर्तमान में छत्तीसगढ़ से विशाखापट्टनम जाने के लिए 546 किलोमीटर दूरी तय करना पड़ता है। कॉरिडोर बनने से ये लंबाई घटकर 463 किमी हो हो जाएगी। इससे रायपुर से विशाखापट्टनम जाते समय 83 किमी की दूरी कम हो जाएगी। कॉरिडोर में प्रवेश करने के बाद यात्री कम समय में ये दूरी तय कर लेंगे, अभी यात्री जगदलपुर होकर विशाखापट्टनम जाते हैं। छत्तीसगढ़ के अभनपुर ब्लॉक में अधिकारियों ने जमीन मालिकों के साथ मिलीभगत की और 9 किलोमीटर की सड़क पर आने वाली जमीन का मुआवजा 342 करोड़ का बना दिया। जबकि नियम में करीब 300 करोड़ का मुआवजा होता है। शासन की ओर से 246 करोड़ की राशि जमीन मालिकों को वितरित कर दी गई है। वहीं इन भू-स्वामियों को 78 करोड़ की राशि और दी जाना थी। इसी बीच एनएचएआई की विजलेंस टीम से अधिक मुआवजा बांटने की शिकायत कर दी गई। इसके बाद इस राशि के बांटने पर रोक लगा दी गई।

कीचड़ में मिली बीएसपी के फायर कर्मी की लाश, एक दिन पहले निकला था घर से

जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र के तहत कुरुद से लगे आनंद विहार कॉलोनी के पास शुक्रवार की सुबह एक व्यक्ति की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों ने देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। मृतक की पहचान 34 वर्षीय नंदकिशोर पारधी के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार बीएसपी फायर ब्रिगेड कर्मी नंद किशोर पारधी गुरुवार की सुबह 10 बजे घर से निकला था। इसके बाद से वापस नहीं लौटा। घर वालों ने काफी तलाश की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इधर शुक्रवार की सुबह कुरुद आनंद विहार कॉलोनी के पास कीचड़ में लाश मिली। लाश की पहचान नंद किशोर

पारधी के रूप में हुई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत का कारण पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

अत्याधिक तनाव में था मृतक नंदकिशोर

बताया जा रहा है कि मृतक नंदकिशोर पारधी अत्याधिक तनाव में था। नंदकिशोर पूर्व में छत्तीसगढ़ पुलिस में कार्यरत था और 12 साल पहले 2012 में फायर सर्विस ज्वाइन की थी। बताया जा रहा है कि नंद किशोर ठीक से काम में भी नहीं जाता था जिसके कारण एक माह पहले उसे सस्पेंड कर दिया गया था। जिस जगह पर नंद किशोर की लाश मिली वहां कुछ दवाइयों के रेपर भी मिले हैं। संभावना जताई जा रही है कि नंदकिशोर ने आत्महत्या की है। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस का कहना है कि पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण पता चल पाएगा।

एयर कनेक्टिविटी से जुड़ेगा अंबिकापुर पीएम नरेन्द्र मोदी 20 को करेंगे शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य सरगुजा जिले की बहुप्रतीक्षित मांगों में एक अम्बिकापुर को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ने की मांग अब पूरी होती नजर आ रही है। आगामी 20 अक्टूबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से अम्बिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। एयरपोर्ट के उद्घाटन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केन्द्रीय उडय्यन मंत्री राममोहन नायडू सहित अन्य मंत्री भी उपस्थित होंगे। जिसके तहत उद्घाटन की तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है।

दरअसल, 1950 के दौरान अस्तित्व में आए दरीमा एरोड्रम को मां महामाया एयरपोर्ट बनने में 74 वर्ष का समय लग गया। इस एयरपोर्ट में देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपयी और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक का जहाज लैंड हुआ है। कभी सिर्फ चटियल मैदान के रूप में नजर आने वाले इस एरोड्रम को कभी-कभार ही जहाज उतरने का सौभाग्य प्राप्त होता था। लेकिन अब यह कमर्शियल फ्लाइट के लिए तैयार है।

वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार ने जैसे ही देश की कमान अपने हाथों में संभाली, वैसे ही आम आदमी को हवाई चप्पल से हवाई जहाज का सफर करने को लेकर केंद्र सरकार ने उड़ान योजना बनाई। जिसके तहत देश के कई ऐसे एरोड्रम जो वास्तव में है तो, लेकिन उनकी उपयोगिता शून्य के समान है, उन्हें नए सिरे से संवारने और नया स्वरूप देने के लिए उड़ान योजना के तहत केंद्र सरकार ने अरबों का बजट स्वीकृत किया था। ऐसे में अम्बिकापुर के दरीमा एरोड्रम की भी किस्मत खुल गई। उड़ान योजना के तहत पिछले 10 वर्षों से इस एयरपोर्ट को ना सिर्फ नए सिरे से बनाया गया है, बल्कि इसकी लंबाई-चौड़ाई को भी व्यापक रूप दिया गया है।

नए एयरपोर्ट की तैयारियां अंतिम चरण में

हवाई पट्टी अंबिकापुर शहर से 13 किमी की दूरी पर दरिमा ग्राम में स्थित है। इसका पूरा क्षेत्रफल 365 एकड़ है और यह हवाई पट्टी समुद्र तल से 1924 फीट की ऊंचाई पर है। वर्ष 2014-15 में प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में शुरू हुई उड़ान योजना के अन्तर्गत रिजनल कनेक्टिविटी सर्विस के अंतर्गत अंबिकापुर हवाई पट्टी को हवाई अड्डे में उन्नयन किए जाने के लिए शामिल किया गया था। इसके तहत हवाई पट्टी का उन्नयन वर्ष 2014 में किया गया, जिसमें डामरीकरण की सतह को 15 मीटर चौड़ाई से बढ़ाकर 30 मीटर चौड़ा किया गया और टर्मिनल भवन का उन्नयन 20 यात्रियों के आवागमन के लिए कराया गया।

बढ़ाई गई रनवे की लंबाई

हवाई अड्डे के विकास के लिए कुल 46.27 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति लोक निर्माण विभाग को जारी की गई। जिसके तहत लोक निर्माण विभाग ने दिसम्बर 2021 से उन्नयन कार्य थ्री सीवीएफआर के अनुरूप शुरू किया। जिसके तहत विभिन्न कार्य कराए गए, जिसमें रनवे की लंबाई 1500 मीटर से बढ़ाकर 1800 मीटर किया गया। रनवे के मजबूती करण के लिए पीसीएन को बढ़ाकर 25 किया गया, जिसे एटीआर 72 के अनुरूप किया गया।

हिन्दी में राम तो अंग्रेजी में रामा क्यों?

श्रीकंचनपथ

अंग्रेजी का मजाक उड़ाने वाले अकसर कहते हैं कि हिन्दी के राम अंग्रेजी में लिखते ही रामा हो जाते हैं। लिखते भी आप हैं और पढ़ते भी आप हैं, तो यह उच्चारण की अशुद्धता है। दरअसल, देवनागरी के वर्ण अकारान्त होते हैं। अर्थात वर्णमाला का पहला स्वर यदि 'अ' है तो व्यंजनों का उच्चारण अकारान्त होगा। इसलिए हिन्दी में भी राम का उच्चारण (राम+अ) होना चाहिए। बोलचाल में हम राम का उच्चारण राम् करते हैं। यह हिन्दी में भी गलत है। जिन्होंने भी संस्कृत पढ़ा है वो इससे वाकिफ हैं। वैसे नाम के हिज्जों को लेकर देश में काफी रायता फैला हुआ है। एक मित्र का नाम प्रवीन्द्र है। अंग्रेजी में लिखने पर नाम के अंत में 'ए' अक्षर का प्रयोग किया जाता है। जब बेटे का मेडिकल में एडमिशन हुआ तो उन्हें बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। उनसे बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र हिन्दी में जमा कराने को कहा गया ताकि पिता के नाम के हिज्जों को सुधारा जा सके। दल्ली-राजहरा मूल के एक चिकित्सक का नाम अपूर्व है। अंग्रेजी में लिखने पर वी के बाद ए अक्षर का प्रयोग किया जाता है। जब अंग्रेजी में उनका नाम पढ़कर कोई देवनागरी में लिखता है तो वह अपूर्वा हो जाता है। अपूर्व जहां पुल्लिंग नाम है वहीं अपूर्वा स्त्रीलिंग है। बड़ी मुश्किल से उन्होंने अपने नाम के अंग्रेजी हिज्जों से ए को हटाया। वैसे नाम के हिज्जों (स्पेलिंग) की आड़ में लोग खूब प्रताड़ित होते हैं। 13 साल पहले दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल में नक्सलियों ने एक वाहन को आईईडी विस्फोट से उड़ा दिया था। इसमें पुलिस का एक जवान शहीद हो गया था। बीमा कंपनी ने जिन कारणों को दर्शाते हुए क्लेम रिजेक्ट कर दिया, उसमें एक कारण यह भी था कि चालक का नाम गलत लिखा हुआ है। स्कूल-कालेज के प्रमाणपत्रों में दर्ज नाम में भूल सुधार के जितने भी प्रकरण आते हैं उनमें से अधिकांश में हिज्जों को लेकर ही विवाद होते हैं। ओड़ीशा में दास कायस्थ भी होते हैं और ब्राह्मण भी। अब देवनागरी में तो दास और दाश को अलग-अलग लिखा जा सकता है पर दास बंगाल में भी होते हैं। वहां स का उच्चारण ही नहीं है। बंगाली दास को भी दाश ही बोलते हैं। इसलिए ओड़ीशा में नाम के अंग्रेजी हिज्जे तय करते हैं कि व्यक्ति कायस्थ है या ब्राह्मण। कायस्थ डी-ए-एस तो ब्राह्मण डी-ए-एस-एच लिखते हैं। नए दौर में लोग नाम के मूल उच्चारण को सुरक्षित रखने की भी कोशिश कर रहे हैं। इसलिए अभिनेत्री काजल अपना नाम काजोल लिखती हैं। यह बंगाली उच्चारण है। अंक ज्योतिष नाम के अक्षरों के अंकों को जोड़ कर फल निकालता है। अंक ज्योतिष की कसौटी पर खरा उतरने के लिए लोग नाम के अक्षरों में फेरबदल कर रहे हैं। सवाल यह उठता है कि जब अंग्रेजी में लिखा नाम ही आपका भविष्य तय करेगा तो हिन्दी कैसे माथे कि बिन्दी बनेगी?

संपादकीय

पड़ोस में जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस्लामाबाद में आतंकवाद को निशाने पर लेकर जो स्पष्ट संदेश दिया है, वह सुखद और स्वागतयोग्य है। पाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) परिषद के शासनाध्यक्षों की 23वीं बैठक में विदेश मंत्री ने विकास के लिए वास्तविक साझेदारी, शांति और स्थिरता के महत्व पर पुरजोर प्रकाश डाला है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आतंकवाद का असर व्यापार, ऊर्जा संचार और संवाद-संपर्क पर पड़ता है। अगर हम यह देखें कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत क्यों बंद है, तो इसकी मूल वजह आतंकवाद ही है। भारत के प्रति पाकिस्तान का दुश्मनी भरा व्यवहार किसी से छिपा नहीं है। जब वह सुधरने को तैयार नहीं है, तब दोनों देशों के संबंधों में सुधार भला कैसे होगा? बड़ी बात यह भी है कि भारत की शिकायत पर कान देने वाले महत्वपूर्ण देशों की कमी है। विशेष रूप से शंघाई सहयोग संगठन में शामिल चीन की अगर भूमिका देखी जाए, तो दक्षिण एशिया में तानाशाही और आतंकवाद, दोनों के प्रति वह कतई गंभीर या ईमानदार नहीं है। शंघाई सहयोग संगठन में भी वह भारत की अनदेखी करते हुए केवल अपना फायदा देखना चाहता है।

> *जब दुनिया के तमाम देश अपना हित देख रहे हैं, तब भारत को भी अपना हित देखना ही चाहिए। भारत विश्व स्तर पर अनेक बार यह बात दोहरा चुका है कि बंदूक और व्यवसाय, दोनों साथ नहीं चल सकते हैं। विभिन्न ध्रुवों में बंटी दुनिया में भारत की आवाज को पूरी तरह से सुना नहीं जा रहा है, तब संयुक्त राष्ट्र में सुधार की भारतीय कोशिशें स्वाभाविक हैं। इस्लामाबाद में भी विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के पक्ष में पैरोकारी की है। सुधार की यह बात वास्तव में चीन को भी संबोधित है।*

ध्यान रहे, लगभग नौ वर्षों में यह पहली बार है, जब भारत के विदेश मंत्री पाकिस्तान की यात्रा पर गए हैं, जहां वह पाकिस्तानी नेताओं के साथ औपचारिक अभिवादन तो साझा कर रहे हैं, पर अलग से उनकी मुलाकात मुफीद नहीं है। पाकिस्तान की ओर से यह कोशिश बार-बार हुई है कि भारतीय नेता के साथ अलग से बातचीत हो जाए, व्यापार पर न सही, मौसम पर हो जाए, पर भारत इसके लिए अभी तैयार नहीं है। अनेक बार धोखा खा चुका भारत चाहता है कि शंघाई सहयोग संगठन की 23वीं बैठक के दौरान केवल व्यापार और आर्थिक एजेंडे पर ध्यान केंद्रित रहे। ऐसे में, पाकिस्तान से अलग से बात करने का फिलहाल कोई तुक भारतीय विदेश मंत्रालय को नजर नहीं आता है। पाकिस्तान बात करने को लालायित तो है, पर उसके व्यवहार में बदलाव के संकेत नदारद हैं।

खैर, शंघाई सहयोग संगठन एक स्थायी अंतरसरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना 15 जून, 2001 को कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान द्वारा शंघाई में की गई थी। समय के साथ इस संगठन का विस्तार हुआ, पर इस संगठन से आज के समय में पाकिस्तान को ज्यादा और भारत को कम फायदा है। चीन और पाकिस्तान मिलकर जो कॉरिडोर बना रहे हैं, जिसे सीपैक कहा जा रहा है, उसके बारे में भी भारत की चिंता जायज है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफअब बोल रहे हैं कि भारतीय प्रधानमंत्री को बैठक में आना चाहिए था, पर उन्हें यह सवाल अपने आप से पूछना चाहिए कि आतंकवाद संबंधी मनमोहन सिंह की चिंता या नरेंद्र मोदी की चिंता पर उन्होंने कितना और कैसे गौर किया है? भारत की चिंता दूर हो, तो ही भारत संवाद के लिए तैयार हो, यही न्यायोचित है।

नजरिया

मलेरिया से भी गंभीर है डेंगू का दंश

भारत सहित दुनिया के देशों में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनिया के देश डेंगू को लेकर अब गंभीर हो गए हैं। इसका बड़ा कारण है कि दुनिया के 130 देश डेंगू की जद में आ चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस समय 4 अरब लोग डेंगू से प्रभावित हो रहे हैं और 2050 तक यह आंकड़ा पांच अरब को पार कर जाएगा।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भारत की बात की जाए तो देश के लगभग हर प्रदेश में डेंगू के नित नए केस सामने आ रहे हैं। भले ही यह माना जाता हो कि डेंगू के कारण मौत की दर बहुत कम है और सामान्यतः डेंगू सामान्य पेरासिटामोल और डॉक्टरों के सलाह के अनुसार पेय पदार्थ एलोरा ज्यूस आदि लेने से ठीक हो सकता है। हालांकि कोल्ड ड्रिंक की सलाह नहीं दी जाती है। सामान्यतः यह माना जाता है कि डेंगू के कारण तेजी से प्लेटरेट में कमी आती है पर विशेषज्ञों का मानना है कि प्लेटरेट से भी ज्यादा गंभीर होता है ब्लड प्रेशर में कमी आना है। प्लेटरेट के साथ ही ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखना जरुरी हो जाता है। यह ध्यान रखना अधिक जरुरी हो जाता है कि ब्लड प्रेशर लो नहीं होना चाहिए। डेंगू का असर सीधे लीवर पर पड़ता है और ब्लड के अंतःस्राव की समस्या हो जाती है। जो अपने आप में गंभीर होती है। उल्टी होने से डिहाईड्रेशन की समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। दरअसल एक समस्या यह है कि डेंगू का पता भी तीन चार दिन बाद पता चलता है। इसलिए सावधानी सबसे बड़ी जरुरी हो जाती है। खैर सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन अब अधिक गंभीर हो गया है।

गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि इंडोनेसिया में ड्रोन से सर्वे कर मच्छरों के लार्वा की खोज करके नष्ट करने का यह परिणाम रहा है कि डेंगू के मामलों में 70 फीसदी तक कमी आई है। डेंगू से बचाव के लिए डेंगू मच्छर का खात्मा करने वाले एंटीडेंगू मच्छर को दुनिया के करीब 14 देशों में छोड़े जाने का निर्णय किया गया है। वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोगशाला में एंटीडेंगू मच्छर का सफल प्रयोग किया जा चुका है और ब्राजील में बड़ा केन्द्र बनाते हुए बोल्वाशिया मच्छर का उत्पादन आरंभ कर दिया गया है। हांलाकि किन किन 14 देशों में एंटी डेंगू मच्छरों को छोड़ा जाएगा यह निर्णय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अभी किया जाना है। पर एक बात साफहो चुकी है कि डेंगू पर समय रहते रोक अभियान चलाया जाना आवश्यक है। क्योंकि डेंगू अब किसी देश की सीमा में बंधा नहीं रह गया है। देश दुनिया की सरकारों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामने डेंगू बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। दरअसल डेंगू की गंभीरता को देखते हुए ही गैर सरकारी वर्ल्ड मास्कीटों प्रोग्राम के तहत एंटीडेंगू मच्छर विकसित किया गया है। 2023 में इंडोनेशिया में इनका प्रयोग किया जा चुका है और इनके प्रभाव से 95 प्रतिशत तक सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

हालांकि 2011 में आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में लगातार चार बरसाती सीजन में एंटीडेंगू मच्छर का प्रयोग किया गया और दावा किया गया कि वहां चार बरसातों में एक भी डेंगू का मामला सामने नहीं आया। इन मंच्छर में एक बैक्टिरिया वोल्वाशिया पापीएंटिस डाला गया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे बीमारी वाले मच्छरों को वायरस फैलाने से रोकने में सफल होंगे। अब तक के परीक्षणों में यह खरे भी उतरे हैं। डेंगू की भयावहता को इसी से समझा जा सकता है कि 16 मई को भारत में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाने लगा है। इस दिवस के आयोजन के माध्यम से लोगों में अवेयरनेस जागृत की जाती है। दरअसल डेंगू एडीज एजिप्टी प्रजाती की मादा मच्छर के कारण तेजी से फैलता है। बरसात के दिनों में यह मच्छर तेजी से फैलता है। जमा पानी और गंदगी आदि में डेंगू मच्छर तेजी से बढ़ते हैं। जुलाई से सितंबर, अक्टूबर तक डेंगू का प्रकोप अधिक रहता है। शुरुआती दो तीन दिन तक तो जांच में पता ही नहीं चलता है। डेंगू में 3 से 7 दिन अधिक गंभीर होते हैं। प्लेटरेट्स में तेजी से गिरावट होती है। हांलाकि डेंगू के कारण मौत तुलनात्मक रुप से कम है पर डेंगू का प्रभाव क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में एंटीडेंगू मच्छर शुभ संकेत माने जा सकते हैं।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए देश में ड्रोन का प्रयोग अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इंदौर में डेंगू मच्छरों को नष्ट करने के लिए ड्रोन के उपयोग का निर्णय किया गया है। देश के अन्य हिस्सों में भी ड्रोन का उपयोग प्रयोग के रुप में किया जाने लगा है। सवाल साफहै कि डेंगू के प्रकोप को चुनौती के रुप में लेते हुए सरकार को ठोस प्रयास करने होंगे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी और गैरसरकारी सभी संस्थाओं को आगे आना होगा और सबसे अधिक लोगों में अवेयरनेस के साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और सफाई के प्रति चेतना विकसित करनी होगी।

डॉ. मोहनराव भागवतः उपेक्षा जनित सक्रियता...?

ओमप्रकाश मेहता

वह भी एक जमाना था, जब भारतीय जनता पार्टी के सत्तारूढ़ वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवानी अपनी सरकार का कोई भी अहम फैसला बिना राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राय व पूर्व अनुमति के बिना नही लेते थे, पहले संघ को विश्वास में लेते थे, उसके बाद फैसला, किंतु पिछले एक दशक से स्थिति ठीक इसके विपरीत है, सत्ता उसी भारतीय जनता पार्टी की है किंतु आज वही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपनी उपेक्षा से काफी पीड़ित व उद्वेलित है और इसी सत्ता की उपेक्षा ने संघ को अपने संगठन की साख बचाने हेतु नई सक्रियता की ऊर्जा प्रदान कर दी है, इसीलिए पिछले कुछ दिनों से संघ प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत काफी सक्रिय और व्यस्त नजर आने लगे है, अब उन्हें अपनी सरकार की किसी तरह की भी चिंता नही रही, इसीलिए वे अपने संगठन की साख की रक्षा में पूरी तरह जुट गए है, चाहे फिर सत्तारूढ़ नेता उनसे अनवरत् सम्बंध बनाकर रखें या नहीं?

इसकी उन्हें अब कोई चिंता नही रही, अब वे अपने संगठन की साख को कायम रखने में ही अपना सर्वस्व न्यौछावर करना चाहते है, ऐसे में यदि यह कहा जाए कि सत्तारूढ़ भाजपा व संघ के पदाधिकारी आमने-सामने खड़े नजर आ रहे है, तो कतई गलत नही होगा? इसी सन्दर्भ में यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दक्षिण भारत में आयोजित संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन में जाकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जो तेवर दिखाए थे, उनसे तभी यह तय हो गया था कि अब संघ और भाजपा एक साथ नही बल्कि दोनों आमने-सामने है और इस घटना के बाद से ही संघ के शीर्ष पदाधिकारियों ने अपने संगठन के अस्तित्व की लड़ाई खुद लड़ना शुरू कर दिया है, इसीलिए आज दोनों ही समान विचारधारावाले संगठनों के नेता अलग-अलग नजर आने लगे है और संघ कुछ अधिक ही सक्रिय नजर आने लगा है और शायद इसीलिए संघ प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत का शब्द चयन काफी तीखा हो गया है, कोई आश्चर्य नही कि संघ सक्षम प्रतिपक्ष की भूमिका में नजर आने लगें, क्योंकि जो आज सत्ता के सामने प्रतिपक्ष है, वह देश व देशवासियों के अधिकारों व सहूलियतों की रक्षा के लिए इतना सक्षम नजर नही आ रहा है और इन्हीं सब स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए नेता प्रतिपक्ष की आलोचना भी शुरू हो गई है, इसीलिए ऐसी स्थिति में यदि संघ व उसके नेता प्रतिपक्षी की भूमिका में नजर आने लगे तो कोई आश्चर्य नही होगा?

इन्हीं सब स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में संघ प्रमुख मोहनराव भागवत के व्याख्यान ''द्विअर्थी'' नजर आने लगे है, कभी वे हिन्दू और हिन्दुत्व के नाम पर अपरोक्ष रूप से सत्ता पर हमला करते है तो कभी हमारे पड़ौसी देशों की साजिशों को सामने लाकर, आज एक और जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने आपको विश्वस्तरीय लोकप्रिय नेता होने की झलक दिखाने का प्रयास करते है, तो कभी डॉ. मोहनराव भागवत विदेशी सम्बंधों व पड़ौसी देशों की कार-गुजारियों की आड़ में हमारी विदेश नीति की आलोचना कर रहे है, भागवत का स्पष्ट आरोप है कि हमारे सामाजिक रिश्तों को विदेशी ताकते अपनी साजिशों के माध्यम से ध्वस्त करने का प्रयास कर रही है और हम और हमारी सरकार खुली आंखों से यह सब चुपचाप देख रहें है, इस प्रक्रिया को नही रोका गया तो हमारा काफी नुकसान होगा। अब उन्होंने यह चेतावनी भी देनी शुरू कर दी है कि यदि हम दुर्बल और असंगठित रहे तो वह हमारे लिए अत्याचार को निमंत्रण देने जैसा होगा, इसलिए हमें अभी से सचेत हो जाना चाहिए। इस प्रकार कुल मिलाकर अब भाजपा के ही शासनकाल में सत्ता-संगठन और संघ तीनों के स्वर अलग-अलग हो गए है और सत्तारूढ़ दल के साथ ऐसा होना स्थिति, परिस्थिति और देशकाल के लिए शुभ नही है। हमें समय रहते इस दिशा में सजग होना पड़ेगा।

(आरएनएस)

कहीं गरम, नहीं नरम!

निज्जर हत्याकांड में कनाडा के हाथ ओटवा स्थित भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और कई अन्य राजनयिकों तक पहुंचते दिखे। उसने इन राजनयिकों को 'पर्सन्स ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर दिया। कनाडाई कानून में 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' उस व्यक्ति को कहा जाता है, जिसके पर किसी अपराध में शामिल होने के ठोस सबूत तो ना मिला हो, लेकिन शक हो कि संबंधित व्यक्ति की भूमिका हो सकती है। इसलिए उससे पूछताछ या उसकी जांच की जरूरत जांचकर्ता महसूस करते हों। कनाडा ने भारत से कहा कि इन राजनयिकों को मिला कूटनीतिक अभयदान वह हटा दे, ताकि उनके खिलाफ जांच हो सके। भारत ने इससे इनकार करते हुए कनाडा- खासकर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रुडो के खिलाफ बेहद सख्त बयान जारी किया।

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक तब कनाडा ने वर्मा सहित छह नागरिकों को निष्कासित कर दिया, हालांकि भारत ने एलान किया कि उसने उन्हें वापस बुलाया है। बदले में भारत ने नई दिल्ली स्थित छह कनाडाई राजनयिकों को निकाल दिया। दूसरी तरफ खबर है कि अमेरिका स्थित खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामले में भारतीय जांचकर्ताओं ने अमेरिकी मांग के मुताबिक कथित 'सीसी-1' की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया है। जांच में प्रगति की सूचना देने एक भारतीय दल अमेरिका पहुंच रहा है। मगर पेच यह खबर है कि कनाडा में मारे गए खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप निज्जर के मामले में भी अमेरिका ने कनाडा सरकार के रुख का समर्थन किया है।

खबरों के मुताबिक अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने साझा तौर पर इन दोनों मामलों में भारतीय अधिकारियों से कई दौर की वार्ता की है। अमेरिका और कनाडा फाइव आईज समझौते का हिस्सा हैं, जो आपस में साक्ष्य साझा करते हैं। इसलिए भारत सरकार का पन्नू और निज्जर मामलों में अलग-अलग रणनीति अपनाना संभवतः दीर्घकाल में कारगर ना हो। दोनों मामलों में भारत पर एक जैसे इल्जाम लगे, जिनका खराब असर भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ा है। इससे विदेश नीति में अमेरिकी धुरी को प्राथमिकता देने की नरेंद्र मोदी सरकार की रणनीति को झटका लगा है। इस मुश्किल से वह कैसे उबरती है, भारत की भावी अंतरराष्ट्रीय भूमिका काफी कुछ इस पर निर्भर करेगी।

(आरएनएस)

मतदाता धर्म आधारित तो बिल्कुल भी नहीं

ओमप्रकाश मेहता

देश के दो प्रधान धर्मों हिन्दू व मुस्लिम के बाहुलय मतदाताओं वाले राज्यों की विधानसभा चुनावों के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इन राज्यों के मतदाता धर्म आधारित तो बिल्कुल भी नही है। जम्मू-कश्मीर में जहां भाजपा को नेशनल कांफ्रेस से करीब आधी सीटें मिली, वहीं हिन्दू मतदाताओं के बाहुल्य वाले हरियाणा में कांग्रेस का काफी अवमूल्यन हुआ है, वैसे इस राज्य में कांग्रेस की जड़े गहरी है, किंतु इस बार मतदाताओं की सोच में समयानुसार परिवर्तन आया है, जिसका परिणाम यहां भाजपा का परचम लहराना है।

यद्यपि राजनीतिक पण्डितों की जम्मू-कश्मीर को लेकर यह सोच या आशंका अवश्य है कि वहां से नेशनल कांफ्रेस का जीतना भारत के लिए खतरनाक इसलिए है, क्योंकि नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूख अब्दुल्ला व उनके बेटे उमर अब्दुल्ला की निजी सोच पाकिस्तान के काफी निकट है, वे समय-समय पर पाकिस्तान की पैरवी करते रहते है, इसलिए यह भारत की एकता के लिए खतरनाक हो सकता है, किंतु चूंकि जम्मू हिन्दू प्रधान और कश्मीर मुस्लिम प्रधान क्षेत्र है, इसलिए जम्मू और कश्मीर के राजनेताओं और मतदाताओं की सोच अलग हो सकती है, किंतु इस मसले को भारत सरकार को समय रहते गंभीरता से लेना चाहिए, वर्ना धरती का स्वर्ग हमारे हाथों से खिसक सकता है, इसी विभाजनकारी खोज के कारण भाजपा का कश्मीर में कोई अस्तित्व नही रह गया है, जबकि जम्मू में भाजपा का स्थान काफी अहम् है, इसलिए यदि यह कहा जाए कि जम्मू-कश्मीर की राजनीति धर्म आधारित है तो वह कतई गलत नही होगा।

फिर इस राजनीतिक बिन्दु पर हमने अभी से गंभीर रूप से ध्यान नही दिया तो फिर हम पाक अधीकृत कश्मीर को हमारे पाले में लाने के बारे में भी सोच नही कर पाएगें।?इस तरह कुल मिलाकर हमारे मस्तक पर विराजित इन दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों जम्मू एवं कश्मीर के भविष्य पर गंभीर चिंतन जरूरी है और इस चिंतन की शुरूआत इन विधानसभा चुनाव परिणामों के साथ ही शुरू करना चाहिए।?करीब एक दशक के बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए है और जनता ने भाजपा-कांग्रेस दोनों को ही सीधे-सीधे नकारते हुए नेशनल कांफ्रेंस के हाथों में राज्य की बागडोर सौंप दी है और लगे हाथ फारूख अब्दुल्ला ने अपने बेटे उमर अब्दुल्ला का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए घोषित भी कर दिया। यहां इस राजनीतिक माहौल में कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद को भी भुलाया नही जा सकता, जिनकी वजह से अतीत में जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस का परचम लहराया करता था, किंतु अब वे कांग्रेस से नाराज होकर अपने स्वयं द्वारा गठित नए राजनीतिक दल के सर्वेसर्वा है, यद्यपि उनकी अपनी पार्टी का राज्य में फिलहाल कोई विशेष अस्तित्व नही है, किंतु वे एक जाने-पहचाने राष्ट्रीय नेता अवश्य है। उनकी अपनी इन चुनावों में क्या भूमिका रही? यह अभी तक स्पष्ट नही हो पाया है किंतु उनकी मुख्य पहचान जम्मू-कश्मीर से ही हैं। अब राजनीतिक पंडितों का इन चुनाव परिणामों को लेकर मुख्य चिंतन यह है कि इन दोनों राज्यों हरियाणा व जम्मू-कश्मीर के परिणामों का इस वर्ष के अंत तक होने वाले दो राज्यों व अगले वर्ष के प्रारंभ में दिल्ली तथा उसके साथ होने वाले राज्यों के विधानसभा चुनावों पर क्या होगा? भाजपा व कांग्रेस दोनों ही दलों के वरिष्ठ नेता इसी चिंतन में व्यस्त है।?आज की एक और परिपाटी बन गई है वह यह कि जब चुनाव आते है तो वहां राजनीति केंद्रित हो जाती है और परिणामों के असर जैसे कई भविष्यवादी मुद्दों पर चिंतन करती है और फिर %कुर्सी' मिल जाने के बाद सब कुछ भुला देती है। यह सोच देश के राजनीतिक भविष्य के लिए कितनी सही है, इस पर निष्पक्ष चिंतन जरूरी है और इन चुनाव परिणामों के भावी असर पर सोच-विचार भी निष्पक्षता की परिधि में जरूरी है।

(ये लेखक के विचार हैं)

खाद्यान्नों की महंगाई नहीं रुक रही!

अजीत द्विवेदी

एक बार फिर सरकार की ओर से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई पर आधारित महंगाई दर के आंकड़े जारी हुए हैं और एक बार फिर कहा गया है कि खाने पीने की चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से खुदरा महंगाई दर बढ़ी है। जब भी महंगाई दर बढ़ती है तो लगभग हर बार यही कारण होता है कि खाने पीने की चीजों की कीमतें बढ़ी हैं। इस बार जो आंकड़ा आया है यानी सितंबर, 2024 का उसमें कहा गया है कि खाने पीने की महंगाई दर 5.66 फीसदी से बढ़ कर 9.24 फीसदी हो गई। इसी वजह से सितंबर महीने की खुदरा महंगाई दर अगस्त के 3.65 फीसदी से बढ़ कर 5.49 फीसदी हो गई।

जाहिर है अगस्त में भी खुदरा मंहगाई दर बढ़ने में खाद्यान्नों की महंगाई का ही हाथ था क्योंकि महंगाई दर के आकलन में खाने पीने की चीजों का हिस्सा 50 फीसदी होता है। बहरहाल, सितंबर में तो खाने पीने की चीजों की कीमतों ने रिकॉर्ड ही तोड़ दिया। खाने पीने की चीजों की महंगाई 9.24 फीसदी यानी दहाई के करीब पहुंच गई। इसमें सबसे ज्यादा महंगाई सब्जियों की कीमत में दिखी, जो अगस्त के 11 फीसदी से बढ़ कर सितंबर में 36 फीसदी पहुंच गई। सोचें, सितंबर के महीने में सब्जियों की कीमत 36 फीसदी बढ़ी है! सितंबर में महंगाई दर मासिक आधार पर करीब दो फीसदी और सालाना आधार पर करीब एक फीसदी ज्यादा रही है।

इस आंकड़े से सबसे पहला सवाल जो दिमाग में आता है वह ये है कि क्या खाने पीने की चीजों का उत्पादन कम हो रहा है या उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कुछ गड़बड़ी है, जिसकी वजह से इन वस्तुओं की कीमत बढ़ रही है? ध्यान रहे अर्थशास्त्र का सामान्य नियम है कि मांग और आपूर्ति में अंतर से कीमतें घटती या बढ़ती हैं। मांग कम है और आपूर्ति ज्यादा तो कीमत कम होगी और अगर आपूर्ति कम है तो कीमत बढ़ेगी। लेकिन खाने पीने की चीजों के मामले में इसका उलटा हो रहा है। देश में खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हो रहा है। खाने पीने की हर चीज का उत्पादन बढ़ रहा है। इसके बावजूद कीमतें कम होने की बजाय लगातार बढ़ रही हैं। इसका मतलब है कि आपूर्ति श्रृंखला में कहीं न कहीं गड़बड़ी है या जमाखोरी के जरिए कृत्रिम तरीके से कीमतें बढ़ाई जा रही हैं।

अगर ऐसा है तो यह बहुत बड़ा संकट है और इससे देश की खाद्यान्न सुरक्षा खतरे में पड़ेगी। सरकार को जग जाना चाहिए और इसे तत्काल रोकने की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि कृत्रिम तरीके से कीमतें बढ़ती हैं तो किसान और आम उपभोक्ता दोनों घाटे में रहते हैं और बिचौलिए या जमाखोरों को फायदा होता है। अगर कीमतें काबू में नहीं आती हैं तो केंद्रीय बैंक के लिए ब्याज दरों में कटौती संभव नहीं हो पाती है और ऊंची ब्याज दर का असर विकास दर पर होता है। इसका मतलब है कि कृत्रिम महंगाई किसान, उपभोक्ता और देश की अर्थव्यवस्था तीनों के लिए ठीक नहीं है।

कृत्रिम महंगाई को लेकर सबसे पहले सब्जियों की ही बात करें तो यह सही है कि इस साल सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है लेकिन कहीं भी बारिश से फसल बरबाद होने की खबर नहीं आई है। फिर भी सितंबर में सब्जियों की महंगाई 36 फीसदी बढ़ी है। इस आंकड़े की बारीकी में जाएं तो पता चलेगा कि सबसे ज्यादा महंगाई प्याज और टमाटर की बढ़ी है। प्याज और टमाटर दोनों की कीमत 78 फीसदी की दर से बढ़ी है। यानी सब्जियों की महंगाई जिस दर से बढ़ी है उससे दोगुनी दर से प्याज और टमाटर की कीमत बढ़ी है। सब्जियों की थोक महंगाई भी लगभग 50 फीसदी की दर से बढ़ी है। जब फसल बरबाद नहीं हुई और उत्पादन कम नहीं हुआ तो आखिर इनकी कीमतों में इतनी बढ़ोतरी कैसे हुई? ध्यान रहे सरकार का अपना आंकड़ा है कि पिछले एक दशक से आलू, प्याज और टमाटर इन तीनों सब्जियों का उत्पादन भारत में रिकॉर्ड दर से बढ़ रहा है। प्याज के उत्पादन में तो चीन को पीछे छोड़ कर भारत पहले नंबर पर आ गया है और आलू व टमाटर के उत्पादन में दूसरे नंबर पर है। फिर भी इनकी कीमत कम नहीं हो रही है। ऐसा भी नहीं है कि भारत के लोग पहले से ज्यादा आलू, प्याज और टमाटर खाने लगे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में लोगों के मासिक खर्च में सब्जियों का हिस्सा पिछले एक दशक से तीन से चार फीसदी पर ही स्थिर है। जहां तक निर्यात की बात है तो भारत में आलू और टमाटर का जितना उत्पादन होता है उसका महज दो फीसदी निर्यात होता है। प्याज का निर्यात जरूर थोड़ा ज्यादा होता है। लेकिन वह भी 10 फीसदी से कम ही है। इसका मतलब है कि उत्पादन बढ़ रहा है, घरेल खपत नहीं बढ़ रही है, निर्यात भी स्थिर है फिर भी कीमतें बढ़ रही हैं!

ऐसा नहीं है कि यह स्थिति सिर्फ सब्जियों के मामले में है। दूसरे खाद्यान्नों में भी यही स्थिति है। गेहूं और धान की भी रिकॉर्ड पैदावार हो रही है लेकिन इनकी कीमतें भी कम नहीं हो रही हैं। इस साल 11.30 करोड़ टन गेहूं का उत्पादन हुआ, जो पिछले साल के 11 करोड़ टन से ज्यादा है। यह अलग बात है कि इस साल सरकारी खरीद कम रही। किसानों ने सरकार को गेहूं नहीं दिया तभी सरकार सिर्फ 266 लाख टन ही गेहूं खरीद सकी, जबकि लक्ष्य 320 लाख टन खरीद का था। सरकार के गोदाम में गेहूं कम आए इसका मतलब है कि बाजार में निजी कारोबारियों ने ज्यादा गेहूं खरीदा और उसका भंडारण किया और कृत्रिम तरीके से महंगाई बढ़ाई। सितंबर तक गेहूं की कीमतों में प्रति क्विंटल एक सौ रुपए तक की बढ़ोतरी हो चुकी है और आटे की कीमत भी तीन से चार रुपए किलो तक बढ़ी है। इसका असर अगस्त में सभी ब्रांड के ब्रेड्स पर पड़ा और उनकी कीमतें बढ़ गईं।

अब इसी से जुड़ा यह अहम सवाल यह है कि खाने पीने और सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो क्या इसका फायदा किसान को होता है? इसका जवाब पिछले ही दिनों भारतीय रिजर्व बैंक ने दिया है। रिजर्व बैंक ने बताया है कि आलू, प्याज और टमाटर पर हम लोग यानी एक सामान्य उपभोक्ता जितना खर्च करता है उसका एक तिहाई हिस्सा यानी 33 फीसदी ही किसानों को मिलता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक लगभग इतना ही पैसा आढ़तिए यानी थोक व्यापारी ले जाते हैं। इसके बाद रेहड़ी, पटरी वाले या सब्जियों के खुदरा व्यापारियों को एक तिहाई हिस्सा मिलता है। सोचें, सुदामा पांडेय 'धूमल' की कविता पर! एक आदमी रोटी बेलता है, एक आदमी रोटी खाता है, एक तीसरा आदमी भी है, जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है, वह सिर्फ रोटी से खेलता है, मैं पूछता हूं- यह तीसरा आदमी कौन है, मेरे देश की संसद मौन है। वह तीसरा थोक और खुदरा व्यापारी है, जिसकी जेब में सारे पैसे जा रहे हैं। किसानों को उनकी फसल की उचित कीमत नहीं मिल रही है और उपभोक्ता के ऊपर खाने पीने की चीजों की महंगाई का बोझ भी बढ़ रहा है। इसे दुरुस्त करने के लिए तत्काल भंडारण की पुख्ता व्यवस्था करनी होगी, बिचौलियों पर लगाम लगानी होगी और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार करना होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

खास खबर

जूनियर रेडक्रॉस मीट के दौरान 22 अक्टूबर तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

दुर्ग। जिले में 18 से 22 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले प्रथम राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस मीट 2024 कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक मंच पर विविध कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। इस दौरान एस.ए.एफ बटालियन नेहरू नगर में दायरा बस्तर की प्रस्तुति विशेष आकर्षक होगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी संयुक्त कलेक्टर एवं आयुक्त नगर पालिक निगम रिसाली मोनिका वर्मा से मिली जानकारी अनुसार 18 अक्टूबर 2024 को खैरागढ़ विश्वविद्यालय की प्रस्तुति, स्थानीय स्तर पर तैयार, सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति और प्रतिभागी बच्चों द्वारा लोक नृत्य की प्रस्तुति होगी। 19 अक्टूबर 2024 को कैलान बर्रे पंथी दल की प्रस्तुति, गिरधारी विश्वकर्मा राउत नाचा की प्रस्तुति, विभिन्न संभाग द्वारा तैयार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति और रेणु साहू द्वारा पंडावानी की प्रस्तुति होगी। 20 अक्टूबर 2024 को खैरागढ़ विश्वविद्यालय की प्रस्तुति, त्रिवेणी संस्कृति की प्रस्तुति, राधेश्याम बारले पंथी दल की प्रस्तुति और अजय चतुर्वेदी पंथी दल की प्रस्तुति होगी।

सन मैरिज पैलेस से 6 लाख रुपए बकाया संपत्तिकर वसूला

भिलाई। सन मैरिज पैलेस कैलाश नगर कुरूद द्वारा बकाया संपत्तिकर की राशि जमा नहीं की जा रही थी। नोटिस देने के बाद भी जब संपत्तिकर जमा नहीं किया गया। आयुक्त बजरंग दुबे के द्वारा नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 की धारा 175 की उपधारा 1 अंतर्गत संपत्तिकर की बकाया राशि 1170240.00 रूपये जमा करने का कुर्की वारंट जारी किया गया था। इसके पूर्व में धारा 174 की उपधारा 1 के अधीन उस पर मांग पत्र दिये गये थे। जिसमें 30 दिन के अंदर राशि चुकाने का नोटिस दिया गया था। सनद रहे कि कुर्की वारंट जारी होने के बाद यदि संपत्तिकरदाता द्वारा राशि जमा नहीं की जाती है, जो चल–अचल संपत्ति के अभिहरण का विक्रय द्वारा या उसके अचल संपत्ति की कुर्की या विक्रय द्वारा वसूल धारा 178 के अंतर्गत कार्यवाही की जाती है। वसूली के समस्त खर्चे भी संपत्तिकरदाता से लिया जाता है। आज कुर्की के लिए जोन के राजस्व अधिकारी जगदीश तिवारी अपने टीम के साथ मैरिज स्थल पर उपस्थित हुए।

बीएसपी द्वारा सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता आयोजित

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2024 मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में बीएसपी के सतर्कता विभाग द्वारा पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भिलाई में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि रखा गया था। भाषण प्रतियोगिता में कुल 31 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र की सहायक महाप्रबंधक अपर्णा चंद्रा एवं पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ अभिलेखा बिस्वाल निर्णायक की भूमिका में उपस्थित थे। सभी प्रतिभागी आज के हमारे विषय सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि पर अपने भाषण के माध्यम से अपने प्रभावी विचार प्रस्तुत करेंगेद्य पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ अभिलेखा बिस्वाल ने भी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के विषय पर अपने विचार रखते हुए कॉलेज के छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

महिलाएं सक्षम होंगी तो वह अपने घर परिवार और समाज को सक्षम बनाएगी- सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सांसद विजय बघेल की मुख्य आतिथ्य में बीआईटी ऑडिटोरियम दुर्ग में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास मेला सह लखपति दीदी महिला पहल सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर, विधायक अहिवारा डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती माया बेलचंदन, जनपद प्रतिनिधि जितेन्द्र साहू शामिल हुए। उन्होंने सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

समारोह में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 16 हितग्राहियों को नवीन स्वीकृति आवास प्रमाण पत्र और 15 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई। इसी प्रकार स्व सहायता समूहों से जुड़ी 16 लखपति दीदीयों को सम्मानित किया गया। मेले में सामुदायिक निवेश निधि अंतर्गत 15, चक्रीय निधि अंतर्गत 15, बैंक लिंकेज अंतर्गत 14 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 18 लाख घरों के निर्माण की स्वीकृति दी गई। जनता के विश्वास के आधार पर सभी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है तथा जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं का लाभ आप तक पहुंचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच हैं कि हर गरीब का एक पक्का मकान हो। शासन महिलाओं के ऊपर विशेष ध्यान देते हुए उनके लिए बहुत सी योजनाएं संचालित कर रही है। यदि महिलाएं सक्षम होगी तो वह अपने घर परिवार और समाज को सक्षम बनाएंगी। महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है यह हमारा प्रयास है। हमारी सरकार का पूरा प्रयास है कि कोई भी पात्र हितग्राही आवास योजना का लाभ लेने से वंचित न हो। आवास की चाबी भेंट कर सभी हितग्राहियों को बधाई दी। उन्होंने अवगत कराया कि आगामी 26 व 27 अक्टूबर को जिला पंचायत परिसर में 'बिहान मेला' का आयोजन किया जाएगा, जिससे स्व सहायता समूहों को अपने उत्पादों के विक्रय के लिए एक बाजार प्राप्त हो सकेगा।

विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर ने कहा कि केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्ति तक पहुंच रहा है। महिलाओं के सम्मान के लिए स्वच्छता मिशन के तहत शौचालय का निर्माण कराया गया। महिलाओं के नाम से राशनकार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना इत्यादि प्रदान किया गया। महिलाओं को मजबूती प्रदान करने के लिए महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए प्रदान किया जा रहा है। यह केन्द्र व राज्य सरकार की सोच के कारण संभव हुआ है। शासन की योजनाओं से महिलाएं सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। नारी शक्ति के जीवन के हर पड़ाव के लिए सुरक्षा कवच सुनिश्चित कर रही है। राज्य सरकार लगातार जनहित के कार्यो को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

विधायक अहिवारा डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना व परिकल्पना है कि हमारा देश विकसित और आत्मनिर्भर बने। हर गरीब चाहता है कि उनका पक्का मकान हो। इस सपने को साकार करने और योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। साथ ही उन्होंने लखपति दीदीयों को उनके प्रेरणादायी कामों के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री ऋ चा प्रकाश चौधरी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केंद्र एवं राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजना है। जिले में 23700 आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरूद्ध 22 हजार 624 आवासों को पूर्ण कर लिया गया है एवं 386 आवास प्रगतिरत है। वर्ष 2024–25 में 7363 का लक्ष्य जिले का प्राप्त हुआ है, लक्ष्य के विरूद्ध 5062 आवासों की स्वीकृति दी जा चुकी है। शेष हितग्राहियों की स्वीकृति की कार्यवाही जारी है। वित्तीय वर्ष में 4379 हितग्राहियों को प्रथम किश्त की राशि 17 करोड़ 51 लाख 60 हजार रूपए हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि स्व सहायता समूहों की दीदीयों को लखपति बनकर नही बैठना है उन्हें और आगे बढ़ना है। उन्हें करोड़पति बनना है और अन्य लोगों को भी प्रेरित करना है। इस अवसर पर कलेक्टर ने सभी हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास प्राप्त होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के समापन में अतिथियों को जिला प्रशासन द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन ने आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी सहित अन्य अधिकारी–कर्मचारी बड़ी संख्या में आवास मेले में लखपति दीदी, सामुदायिक निवेश कोष, चक्रीय निधि, बैंक लिंकेज के हितग्राही शामिल रहे।

छत्तीसगढ़ की बेटी करेगी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व, 13वीं एशियाई नेटबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में मिली जगह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ की बेटी सोनम शर्मा 13वीं एशियाई नेटबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की अध्यक्ष मीना केरकेट्टा एवं महासचिव और राजेश राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले डेढ़ महीना से चल रहे भारतीय टीम के कैंप का प्रतिनिधित्व कर रही सोनम शर्मा ने भारतीय टीम में अपना जगह सुनिश्चित कर ली है।

सोनम शर्मा 28 अक्टूबर तक चलने वाली एशियाई नेटबॉल प्रतियोगिता में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाली सोनम छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की हैं। पिछले 8 सालों से सोनम छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व कर रही है। वे पूर्व में भी भारतीय टीम में खेल चुकी हैं। एक बार फ्रि से वे भारतीय टीम में जगह बनाने में कामयाब रही। सोनम के इस कामयाबी के लिए नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष मीना केरकेट्टा एवं महासचिव राजेश राठौर ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की है सिलेक्शन पर नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के समस्त जिला के पदाधिकारी ने उन्हें क्षुभकामना दी है। यह जानकारी नेट बॉल एसोसिएशन के एक्जिक्यूटीव मेंबर मोहन राव के द्वारा दिया गया है।

26 अक्टूबर को जगजीत सिंग नाईट संगीत कार्यक्रम का आयोजन

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात सयंत्र के क्रीडा सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा महात्मा गाँधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में दिनांक 26 अक्टूबर 2024 (शनिवार) को जगजीत सिंह नाईट संगीत कार्यक्रम का आयोजन संध्या 7:30 बजे से किया जाएगा। आयोजन में मुंबई से अंतर्राष्ट्रीय वायलीन वादक, संगतकार व गायक दीपक पंडित व भिलाई के प्रख्यात गायक प्रभंजय चतुर्वेदी अपने सुरों की छटा बिखेरकर संगीत सुधियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। मूर्धन्य कलाकार स्व. जगजीत सिंह जी को समर्पित इस आयोजन में उनके गजल के कायनात को पेश किया जायेगा। आयोजन में प्रभंजय चतुर्वेदी गजल की तमाम बानगियों और खूबसूरती को अपने विशेष अंदाज़ में पेश करेंगे। इसके साथ ही दीपक पंडित अपने सम्मोहक वायलीन वादन व गजल गायकी से गजल की नायाब दुनिया को पेश करेंगे। कार्यक्रम में संगतकार के रूप में तबले पर भालचंद्र शेगेकर व रामचंद्र सर्पे, की–बोर्ड पर दिलीप शर्मा, बांसुरी पर दुष्यंत हरमुख उपस्थित रहेंगें। भिलाईनगर के गजल व संगीतप्रेमी इस आयोजन में सादर आमंत्रित है।

जिला चिकित्सालय में कलेक्टर ने किया रक्तदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग कलेक्टर सु ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन एवं दिशा–निर्देश पर शासकीय डॉ. वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के यूथ रेडक्रास सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन महाविद्यालय के टीचर एवं स्टाफ के द्वारा किया गया। इस रक्तदान शिविर में 7 यूनिट रक्तदान किए गए।

इस मौके पर दुर्ग कलेक्टर सु ऋचा प्रकाश चौधरी ने भी रक्तदान किया। रक्तदान के अवसर पर सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी, मलेरिया नोडल अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे, सीएस डॉ. हेमंत साहू, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. राजकुमार नायक, डीपीएम डा.भूमिका वर्मा, हॉस्पिटल कंसलटेंट डॉ.ओपी वर्मा, मैट्रन चीत्ररेखा बोरकर, नर्सिंग इंचार्ज मंजू राय, देव जनिक शिवहरे, ब्लड बैंक के नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण अग्रवाल, डॉ. अविनाश, नर्सिंग आफिसर सती गुप्ता, तरुणा रावत, काउंसलर टीएस.एंथोनी, लैब टेक्नोलॉजीस्ट रोशन सिंह, लैब इंचार्ज रूपेश सरपे,

लैब टेक्नीशियन महेंद्र चंद्राकर, निगार, मिनाक्षी, सूरज, हिमांशु चंद्राकर, कौशल साहू ,माला प्रशिक्षणार्थी रिया, धनेश्वरी, यशवंत एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रबंध कारिणी सदस्य और जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर, जीवन दीप समिति के सदस्य प्रशांत डोंगावकर की उल्लेखनीय भूमिका और सकारात्मक सहयोग रहा और सभी ने रक्तदाताओं को साधुवाद देकर उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

भिलाई प्रबंधन विकास केंद्र में परफॉर्मेंस इम्प्रूव्हमेंट वर्कशॉप का आयोजन

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन व विकास विभाग द्वारा 16 अक्टूबर 2024 भिलाई प्रबंधन विकास केंद्र (बी.एम.डी.सी.) में मानसून के दौरान इलेक्ट्रिकल उपकरणों में संभावित बाधाओं पर जानकारी हेतु पी.आई.डब्ल्यू एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक टी. के. कृष्ण कुमार उपस्थित थे तथा समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रुप में मुख्य महाप्रबंधक एम. के. गोयल उपस्थित थे। इस कार्यशाला में संयंत्र के 9 विभागों से कुल 34 कर्मचारी व अधिकारीगण सम्मिलित हुए। अपने उद्बोधन में मुख्य महाप्रबंधक टी. के. कृष्ण कुमार ने इस कार्यशाला के महत्व को रेखांकित करते हुए संयंत्र के हित में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। मुख्य महाप्रबंधक एम. के. गोयल ने अपने उद्बोधन में कार्यशाला के सतत आयोजन पर जोर देते हुए इस आयोजन की सराहना की। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य महाप्रबंधक रविशंकर, महाप्रबंधक प्रभारी अजय कुमार तथा महाप्रबंधक पी. कृष्णमोहन प्रतिभागियों के मार्गदर्शन हेतु उपस्थित थे।

बीएसपी सीएसआर पहल के तहत कमकासुर की महिला समूह को सेनेटरी पैड मेकिंग मशीन का किया गया हस्तांतरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर पहल के तहत 16 अक्टूबर 2024 को दुल्की माइन्स के समीपस्थ ग्राम कमकासुर में सेनेटरी पैड मेकिंग मशीन स्थापित कर ग्राम की महिला समूह को मशीन का हस्तांतरण किया गया। बीएसपी–सीएसआर ने महिला सशक्तिकरण के लिए, ग्राम कमकासुर के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मेसर्स सुलभ इंटरनेशनल सेंटर फॉर एक्शन सोशियोलॉजी एंड सोशियोलॉजी फॉर सैनिटेशन नई दिल्ली के सहयोग से एक सेनेटरी पैड बनाने की मशीन उपलब्ध कराई।

इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक जयप्रकाश, महाप्रबंधक अरूण कुमार उप महाप्रबंधक मनीष जायसवाल, वरिष्ठ प्रबंधक राकेश ठाकुर, उप प्रबंधक डॉ जे एस बघेल, वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कामडे एवं उप प्रबंधक के के वर्मा सहित ग्राम कमकासुर की सरपंच जमुना बाई टेकाम, सचिव जैन सिंह, सुलभ इंटरनेशनल से प्रषिक्षक शोभित पुसेवाड़ा विषेष रूप से उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त हस्तांतरण समारोह में सीएसआर के अन्य विभागीयकर्मी सहित ग्राम पंचायत कमकासुर के ग्रामवासी, निकटवर्ती ग्राम कट्टापार व गोदरा के ग्रामीवासी तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी मौजूद थी।

इस अवसर पर महाप्रबंधक जयप्रकाश ने अपने उद्बोधन में महिलाओं को प्रेरित करते हुए सेनेटरी पैड के प्रयोग से संबंधित स्वास्थ्य लाभ एवं व्यावसायिक महत्व के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कामडे ने अपने स्वागत भाषण में महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता के साथ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर विचार व्यक्त कर ग्रामीण महिलाओं को प्रेरित किया तथा कहा कि सेनेटरी पैड मेकिंग मशीन के माध्यम से महिला सषक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

ज्ञात हो कि बीएसपी के सीएसआर पहल के अंतर्गत, सुलभ द्वारा ''ऑटोमैटिक सेनेटरी नैपकिन वन डाई मशीन'' प्रदान की गई है। मेसर्स सुलभ इंटरनेशनल सेंटर फॉर एक्शन सोशियोलॉजी (एसआईएसएएसएस) द्वारा, ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता शिक्षा और पर्याप्त स्वच्छता सुविधाओं में सुधार के लिए, अपने सीएसआर पहल के तहत बड़े कॉर्पोरेट के साथ मिलकर 'गौरव' कार्यक्रम शुरु किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत , ग्रामीण महिला को सेनेटरी नैपकिन मशीन भी प्रदान करता है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति और आत्मनिर्भरता के सर्वांगीण विकास में मदद मिल सके। सेनेटरी पैड मेकिंग मशीन की स्थापना से न केवल स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार होगा, बल्कि महिलाएं आत्मनिर्भर होकर कार्य भी कर सकेंगी। ग्रामीण महिलाएं (स्वयं सहायता समूह) सेनेटरी नैपकिन मेकिंग मशीन से, सेनेटरी बैंक के कच्चे माल का उपयोग करके कम लागत वाले सेनेटरी पैड का उत्पादन कर सकेंगी।

खास खबर...

नगर पा व त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए 22 नंवबर होगा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

रायपुर। जिले के नगर पालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में नगर पलिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायत के आम चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 नवंबर 2024 को किया जाएगा। इसके लिए प्रारंभिक प्रकाशन का कार्य रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मुख्य पलिका कार्यालय, और निर्धारित वार्डों तथा ग्राम पंचायतों में चल रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सिंह ने बताया कि दावा-आपत्ति दाखिल करने के लिए 16 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2024 तक का समय निर्धारित किया गया है। इस दौरान निकायवार और वार्डवार कुल 240 स्थलों पर दावा-आपत्ति प्राप्त की जाएगी। आपत्तियों के निपटारे के लिए 29 अक्टूबर 2024 तक का समय रखा गया है, और इसके विरुद्ध अपील करने की प्रक्रिया भी उपलब्ध है। अपील की समयसीमा निर्धारित निपटारे की तिथि से 5 दिन है। इस चुनाव में जिले में कुल 406 पंचायतों में सरपंच, 6159 पंच, 16 जिला पंचायत सदस्य और 100 जनपद पंचायत सदस्यों का निर्वाचन होगा। इसके साथ ही, मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि सभी नागरिक सही जानकारी प्राप्त कर सकें और मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निषेध

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन-2024 के दौरान कोलाहल विहीन वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने आदेश जारी कर रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन 2024 के कार्य समाप्ति तक बिना अनुमति के रायपुर दक्षिण विधानसभा परिक्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग को निषेध कर दिया है। उन्होने कहा है कि निर्वाचन प्रचार-प्रसार एवं आमसभा प्रचार जुलूस वाहन इत्यादि के लिए क्षेत्र के संबंधित सक्षम प्राधिकारी से लिखित अनुमति प्राप्त करने के उपरांत ही ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग प्रात: 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक की अवधि में किया जा सकता है। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन के अंतर्गत अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, रायपुर को सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया गया है।

लोक निर्माण विभाग में 51 अधिकारियों की पदोन्नति

रायपुर। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग ने 51 अधिकारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किए हैं। विभाग द्वारा तीन कार्यपालन अभियंताओं को अधीक्षण अभियंता पदोन्नत किया गया है। वहीं 48 सहायक अभियंताओं को कार्यपालन अभियंता पदोन्नत किया गया है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद शासन द्वारा मंत्रालय से पदोन्नति आदेश जारी कर दिए गए हैं। इन पदोन्नत अधिकारियों की पदस्थापना बाद में की जाएगी।

संचालक डॉ. भुरे ने गांवों का दौरा कर कार्यों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल जीवन मिशन के संचालक डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने मुंगेली जिले के लोरमी विकासखण्ड के विभिन्न गांवों का दौरा कर मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर नल जल योजना से पेयजल आपूर्ति की जानकारी ली। उन्होंने जल जीवन मिशन के ठेकेदारों की बैठक लेकर मिशन के शेष कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ जल्दी पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जल जीवन मिशन के संचालक डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने मुंगेली जिले के घोरबंधा, गोडखाम्ही और तेलीखाम्ही का दौरा कर मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से चर्चा कर स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने तीनों गांवों में जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति, हितग्राहियों की संख्या, उपलब्ध कराए गए नल कनेक्शन, पानी टंकी की क्षमता इत्यादि की जानकारी ली और अधिकारियों को प्रत्येक घर में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सरपंचों से गांव की समस्याओं और उनके निराकरण के बारे में भी चर्चा की।

मिशन संचालक डॉ. भुरे ने लोरमी रेस्ट हाउस में जल जीवन मिशन के ठेकेदारों की बैठक लेकर मिशन के शेष बचे हुए कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी पूरी सक्रियता से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत हर घर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुंगेली जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय, लोरमी के एसडीएम अजीत पुजारी और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता कुंदन राणा सहित विभागीय अधिकारी भी इस दौरान मौजूद थे।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने भारत को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधा: डॉ. वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुण्य श्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती आयोजन समिति रायपुर महानगर की ओर से बुधवार को डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर के सभागार में अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर आधारित व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ सच्चिदानंद शुक्ल, कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़,मुख्य वक्ता डॉ टोपलाल वर्मा माननीय संघचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़ प्रांत,अध्यक्षता डॉ सी एल देवांगन प्राचार्य डॉ राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर,श्रीमती विशिष्ट अतिथि प्रियदर्शिनी दिव्य जी थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ सच्चिदानंद शुक्ल, कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर सामाजिक परिवर्तन की वाहक थीं।

उन्होंने घुमन्तू समाज के उत्थान के लिए काम किया। भीलों के लिए भील कौड़ी की शुरुआत की और उन्हें कृषि के लिए प्रेरित किया। वह युद्ध क्षेत्र में स्वयं जाकर सैनिकों का उत्साह बढ़ाती थीं। उन्होंने महिलाओं की सेना का गठन किया। राज्य की आय कैसे बढ़ सकती है, इसके लिए आर्थिक सुधार किये। महारानी ने उद्योग, व्यापार व आर्थिक उन्नति का ढांचा तैयार किया। डॉ सच्चिदानंद शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को समाज के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य करने के कारण उन्हें जनता ने लोकमाता का दर्जा दिया।

अहिल्याबाई होलकर,भारत के मालवा साम्राज्य की महारानी थीं।अहिल्याबाई होलकर ने कई धार्मिक कार्य किए।उन्होंने औरंगज़ेब द्वारा तोड़े गए मंदिरों का दोबारा निर्माण करवाया।अहिल्याबाई होलकर ने काशी विश्वनाथ मंदिर,सोमनाथ मंदिर, विष्णुपद मंदिर,बैजनाथ मंदिर, और एलोरा के गणेश्वर मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया।अहिल्याबाई होलकर ने अपने राज्य की रक्षा के लिए कई युद्ध लड़े।अहिल्याबाई होलकर को महिला सशक्तिकरण की मिसाल माना जाता है। विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रियदर्शिनी दिव्य जी ने कहा कि जिस तरह से लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने विषम परिस्थितियों में भी अपने शासनकाल में समाज कल्याण के साथ ही साथ महिला उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया ऐसे ही महाविद्यालय के प्रत्येक छात्रा विशेष कार्य कर इस समाज में अपनी पहचान बना सकतीं हैं।

आयोजन समिति के सचिव संजय जोशी ने कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य बताते हुए कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के कार्यो को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना तथा उनके विचारों को जीवन में उतारना है। मुख्य वक्ता डॉ टोपलाल जी ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के कार्यो को स्वयंसेवकों एवं प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा लोगों तक पहुंचाना है। डॉ वर्मा जी ने कहा कि संत स्वरूपा पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर साक्षात देवी थीं। संत जैसा जीवन जीते हुए उन्होंने साधना के साथ शासन किया। उनकी राजाज्ञाओं पर 'श्री शंकर आज्ञा' लिखा रहता था। गायों को चरने के लिए भूमि खाली छोड़ने और पक्षियों व मछलियों के लिए दाना डालने की व्यवस्था थी।

अहिल्याबाई सर्वभूत हिते रत: अर्थात सबके कल्याण के लिए वह काम करती थीं। पूरी प्रजा उन्हें माँ मानती थी। इसलिए वह लोकमाता कहलायीं। सांस्कृतिक पुनरुत्थान की दृष्टि से देखें तो उन्होंने मुगल साम्राज्य के कारण ध्वस्त हो चुके तीर्थस्थलों का पुनर्निर्माण कराया। अहिल्याबाई स्वयं के बजाय भगवान शिव को अपने राज्य का शासक मानतीं थी और स्वयं को प्रतिनिधि मानतीं थी।राज सिंहासन पर शिव विराजमान होते थे।इस प्रकार से लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने मालवा राज्य में शासन किया।उनका पल-पल,क्षण-क्षण लोककल्याण पर समर्पित रहा है।इसलिए अहिल्याबाई होलकर को लोकमाता का दर्जा मिला। युद्ध में भी लोकमाता अहिल्याबाई होलकर बढ़-चढ़कर भाग लेती थी।न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अहिल्याबाई होलकर ने वकीलों की नियुक्ति किया।

मंदिरों का निर्माण एवं उसके जीर्णोद्धार के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया। अहिल्याबाई होलकर एवं कुशल शासक के साथ ही साथ कुटनीतिज्ञ और राजनीतिज्ञ भी थी। पिछले 2 हजार वर्षों में देश में सांस्कृतिक एकता के लिए अहिल्याबाई ने सर्वाधिक कार्य किए। उन्होंने कहा सनातन व भारतीयता को छोटे में नहीं लेना है। समाज में सिद्धि लाने के लिए हमें मिलना होगा, तब भारत स्वयं सिद्ध हो जायेगा। इस अवसर पर लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित किया गया,जिसमें शीतल साहू बीएससी द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, सुष्मिता देवांगन बी कॉम अंतिम वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा भानूप्रिय टंडन एम एस सी तृतीय सेमेस्टर गणित ने तृतीय तथा दीप्ति जोगी एम ए अर्थशास्त्र तृतीय सेमेस्टर को सांत्वना पुरस्कार मिला।

रायपुर दक्षिण विधानसभा परिक्षेत्र में धारा 163 लागू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव सिंह द्वारा रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन 2024 के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने एवं भयमुक्त वातावरण में मतदाताओं द्वारा मताधिकार का प्रयोग करने के दृष्टिगत रायपुर दक्षिण विधानसभा परिक्षेत्र में भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 लागू कर दी है तथा अस्त्र-शस्त्र धारण करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा उपनिर्वाचन-2024 के कार्यक्रम की घोषणा किए जाने के साथ ही निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। विधानसभा उपनिर्वाचन-2024 के दौरान चुनाव प्रक्रिया में असामाजिक तत्वों द्वारा भय एवं आतंक का वातावरण निर्मित कर शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव में बाधा खड़ी न की जा सके तथा मतदाताओं में किसी भी प्रकार का भय पैदा न हो एवं मतदाता भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके, इसके मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने एक आदेश जारी कर 16 अक्टूबर 2024 से रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में धारा 163 लागू कर दी है तथा आदेश दिया है कि कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का शस्त्र, तलवार, फरसा, भाला, लाठी, चाकू, छुरी, कुल्हाड़ी, गुप्ती, त्रिशूल, खुकरा, सांग एव बल्लम अथवा अन्य अस्त्र शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं निकलेगा। जो व्यक्ति शासकीय कर्तव्य पर है वे ड्यूटी के दौरान अस्त्र-शस्त्र धारण कर सकेंगे।

यह आदेश उन व्यक्तियों पर भी लागू नहीं होगा जो शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था व विकलांगता के कारण सहारे के रूप में लाठी लेकर चलते हैं तथा धार्मिक आस्थाओं के आधार पर धारित अस्त्र-शस्त्र पर भी यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। इसके अलावा रायुपर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के न तो कोई सभा करेगा न ही कोई रैली या जुलूस निकास सकेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले समूह या व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

प्रिटिंग प्रेस संचालकों की बैठक 21 को

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन की घोषणा के बाद, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने 21 अक्टूबर को प्रिटिंग प्रेस संचालकों की बैठक बुलाई है। इस बैठक का उद्देश्य मुद्रण सामग्री के संबंध में आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करना और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों से सभी को अवगत कराना है। बैठक कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सोसायटी में आयोजित की जाएगी। सभी संबंधित संचालकों से बैठक में उपस्थित होने की अपील की गई है।

कलेक्टर गौरव सिंह ने दक्षिण विधानसभा के मतदान केंद्र के 85 बूथों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उप-निर्वाचन 2024 के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने मतदान केंद्रों के 85 बूथों का निरीक्षण किया। कलेक्टर डॉ. सिंह ने निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र में मतदाताओं के प्रवेश और निकासी के लिए अलग-अलग गेट तैयार करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि सभी मतदान केंद्रों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाए और मतदाताओं के बैठने के लिए यथासंभव वेटिंग हॉल और मतदान केंद्रों में आवश्यकतानुसार बेंच लगाया जाएं। मतदान केंद्र में कुर्सी एवं टेबल लगाया जाए। साथ ही मतदान केंद्र में पेयजल, बिजली, शौचालय, मतदान दलों के ठहरने की व्यवस्था बेहतर की जाएं।

एसएसपी संतोष सिंह ने भी मतदान दलों का निरीक्षण करते हुए कहा कि मतदान केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाएं। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, सहायक कलेक्टर अनुपमा आनंद, एडीएम देवेंद्र पटेल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे, रिटर्निंग ऑफिसर पुष्पेंद्र शर्मा, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर राकेश देवांगन समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कटोरातालाब के संत कवर राम उच्चतर माध्यमिक शाला, प्रियदर्शनी नगर के संत ज्ञानेश्वर अंग्रेजी माध्यम स्कूल, मठपुरैना के शासकीय प्राथमिक शाला, भाठागांव के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, चंगोराभाठा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, संतोषी नगर के शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला, संतोषी नगर के राम मनोहर लोहिया शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, संजय नगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला के मतदान केंद्र का निरीक्षण किया।

रायपुर की दो बहनों ने किया कमाल आश्चर्यजनक विश्व रिकॉर्ड बनाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर की दो सगी बहनों ने विश्व रिकॉर्ड बनाया है। 6 साल की भव्या और 3 साल की भविशा कोटडिया दोनों ही बहने बहुत अद्भुत है। नन्ही सी भविशा कोटडिया ने 2 मिनट और 21 सेकंड के आश्चर्यजनक समय में 100 देशों की राजधानियों के नाम सुनाकर विश्व रिकार्ड बनाया है।

भविशा ने यह इतिहास 26 फरवरी 2024 को रचा, जब वह महज 2 साल, 11 महीने और 10 दिन की थी। उसने 141 सेकेंड में 100 देशों की राजधानियों के नाम बताकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वहीं 28 फरवरी को भव्या कोटडिया की उम्र केवल 6 साल, 3 महीने और 5 दिन की थी, जब उसने 1 मिनट और 35 सेकंड के आश्चर्यजनक समय में 50 आविष्कारों और आविष्कारक का नाम सुनाकर वर्ड रिकॉर्ड बनाया।

भविशा और भव्या के लिए विश्व रिकॉर्ड तोड़ने का सफर आसान नहीं था। अपने माता-पिता के मार्गदर्शन और घंटों समर्पित अभ्यास के साथ, दोनों बहनों ने अपनी याद रखने के शक्ती (मैमोरी पॉवर) को बढ़ाया और कठिन जानकारियों को आसानी से याद करने की कला में महारथ हासिल की। जानकारी को बनाए रखने और जरूरत पड़ने पर तुरंत उसे पुन: प्राप्त करने की उनकी क्षमता ने भविशा और भव्या को अपने साथियों से अलग बना दिया और उनकी रिकॉर्ड-ब्रेकिंग उपलब्धि का मार्ग प्रशस्त किया। कोटडिया बहनों की रिकॉर्ड ब्रेकिंग उपलब्धि ने उन्हें वर्ल्डवाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में एक अच्छी-खासी पहचान दिला दी है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने ली राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज प्रदेश के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। उन्होंने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक में रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता, निर्वाचन व्यय, मतदान के दिन की व्यवस्था और भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 15 अक्टूबर को रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। रायपुर नगर (दक्षिण) उप-निर्वाचन के लिए 13 नवम्बर को मतदान और 23 नवम्बर को मतों की गिनती होगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया कि निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही रायपुर नगर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचारसंहिता प्रभावशील हो गई है। उन्होंने बताया कि मतदान के लिए रायपुर नगर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में 253 मतदान केंद्र हैं जो सभी शहरी क्षेत्र में स्थित हैं। उन्होंने कहा कि 1500 से अधिक मतदाता संख्या वाले 13 मतदान केंद्रों में सहायक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना कंगाले ने जानकारी दी कि आयोग के निर्देशानुसार मतदान केंद्रों में मतदाता भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र के साथ ही आयोग द्वारा अधिसूचित 12 अन्य तरह के पहचान पत्र दिखाकर मतदान कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी कि नामनिर्देशन के लिए अभ्यर्थी के मात्र 3 वाहन ही नामांकन केंद्र के 100 मीटर की परिधि में प्रवेश कर सकेंगे। नामनिर्देशन के लिए अभ्यर्थी सहित कुल 5 व्यक्ति ही नामांकन कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। श्रीमती कंगाले ने बताया कि आदर्श आचारण संहिता के उल्लंघन की शिकायत सी-विजिल एप के माध्यम से की जा सकती है। भारत निर्वाचन आयोग के सुविधा मोबाइल एप के माध्यम से उम्मीदवार और राजनीतिक दल विभिन्न तरह की अनुमतियों के लिए आवेदन दे सकते हैं।

बैठक में राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों द्वारा निर्वाचन के दौरान व्यय किए जाने की सीमा तथा व्यय लेखों के संधारण के संबंध में आयोग के निर्देशों की जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई। बैठक में बताया गया कि निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थी द्वारा किए जाने वाले निर्वाचन व्यय की सीमा 40 लाख रुपए होगी। बैठक में निर्वाचन अवधि के दौरान वाहनों व रैलियों की अनुमति की प्रक्रिया तथा इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों से भी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पीएस ध्रुव, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय अग्रवाल और अपूर्व प्रियेश टोप्पो तथा सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रूपेश वर्मा और श्रीमती शारदा अग्रवाल सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

अमेरिकन एक्ट्रेस ओलिविया मुन्न के लिए 'ओरिगेमी से भी ज्यादा मुश्किल है' बेबी रैप

अभिनेत्री ओलिविया मुन्न को अभी भी पेरेंटिंग कला में पूरी तरह महारत हासिल नहीं है। 44 वर्षीय अमेरिकी अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसका मकसद फैलो मॉम से बेबी रैप का सही तरीके से उपयोग करने की सलाह लेना था, ताकि वह अपनी 3 हफ्ते की बेटी मेई को सीने से लगाकर घूम सकें। इस वीडियो में मुन्न अपनी बेटी के साथ किचन में खड़ी हैं। थोड़ी कंफ्यूज हैं और कह रही हैं, मुझे पता है कि मैं यह गलत कर रही हूं, इसलिए मैं ऐसे ही रहने दे रही हूं।

मुन्न ने गुजरे वक्त को याद किया। उन्होंने अपने 2 साल के बेटे मैल्कम का जिक्र करते हुए कहा, मैं मैल्कम के समय से ही एक मॉम रैप बनाना चाहती थी, लेकिन मैं कभी नहीं समझ पाई। यह बहुत मुश्किल है। मुन्न ने इसके बाद करीने से समझाया है कि रैप होता क्या है? बोले, अगर आपको नहीं पता कि यह क्या है, तो यह एक बड़ा, लंबा कपड़ा होता है जिसे आप अपने चारों ओर लपेटते हैं और यह आपके बच्चे को आपसे चिपका कर रखता है। इस वजह से आपके हाथ खाली होते हैं और आप कोई दूसरा काम कर सकते हैं ङ्क लेकिन क्या करूं मैं तो अब तक इसे समझ नहीं पाई हूं।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि जो मां ऐसा कर सकती हैं, वे क्वीन हैं। इसके साथ ही उन्होंने माना कि वह अभी भी अपनी बेटी को सही तरीके से लपेटने के सबसे अच्छे ट्यूटोरियल की तलाश में हैं। बोलती हैं, यह बहुत मुश्किल है। यह ओरिगेमी से भी ज्यादा मुश्किल है। यह बहुत पागलपन भरा है। मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है। मैंने यूट्यूब, इंस्टाग्राम, टिकटॉक सब देखा है। और वहां कई मां आपको बताएंगी कि यह मुश्किल नहीं है, लेकिन यह है। यह बहुत कठिन है।

इस पोस्ट पर मुन्न के कई प्रशंसकों और मांओं ने बेबी-वियरिंग रैप के इस्तेमाल का सही तरीका समझाया है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा है, क्या आपके आस-पास कोई स्लिंग/रैप लाइब्रेरी है? दूसरे यूजर ने अपना अनुभव शेयर किया। कहा, मैं एक महिला के पास गई और उन्होंने मुझे अलग-अलग विकल्प समझाए। अगर आपको रैप से परेशानी हो रही है, तो आप हमेशा कैरियर का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप नवजात के लिए उपयुक्त कैरियर पा सकते हैं और उनका इस्तेमाल करना बहुत आसान है। मैं एक बेबी स्टोर पर गया और उनसे इसे अपने ऊपर बांधने को कहा और फिर मैंने उनके सामने करीब पांच बार अभ्यास किया।

तनाव व खराब जीवनशैली बनी रीढ़ की समस्याओं का कारण

आप सभी भली भाँती जानते होंगे की विश्व रीढ़ दिवस (World Spine Day) है और इसको हर वर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य रीढ़ की हड्डी और इससे जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूकता फैलाना रहता है। रीढ़ हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो न केवल हमें सहारा देता है बल्कि पूरे शरीर की संरचना और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। आधुनिक जीवनशैली, तनावपूर्ण दिनचर्या और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण रीढ़ से जुड़ी समस्याएं आज आम हो गई हैं। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य रीढ़ से संबंधित समस्याओं की रोकथाम, इलाज और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।

इस विश्व रीढ़ दिवस की शुरुआत 2008 में हुई थी, जब वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ चिरोप्रैक्टिक (World Federation of Chiropractic) ने पहली बार इसे मनाने की पहल की। इसका उद्देश्य रीढ़ से जुड़ी बीमारियों और विकारों, जैसे पीठ दर्द, गर्दन दर्द, साइटिका आदि के प्रति जागरूकता फैलाना है । 2012 में इसे बोन एंड जॉइंट डिकेड (Bone and Joint Decade) की एक पहल के रूप में अपनाया गया और आधिकारिक रूप से इसे हर साल मनाया जाने लगा। इसका मुख्य उद्देश्य रीढ़ की हड्डी से संबंधित विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इन विकारों से निपटने के लिए सही उपचार और रोकथाम के तरीके सिखाना है। इस दिवस के माध्यम से स्वास्थ्य विशेषज्ञ और संगठनों का लक्ष्य यह है कि लोग रीढ़ की सेहत के महत्व को समझें और अपनी दिनचर्या में इसे प्राथमिकता दें। रीढ़ की देखभाल करना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर आवश्यक है, बल्कि यह समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि रीढ़ से जुड़ी समस्याओं के कारण कई लोग अपनी दैनिक गतिविधियों में कठिनाई का सामना करते हैं। रीढ़ की हड्डी शरीर की आधारशिला है। यह हमारे शरीर के ढांचे को बनाए रखने में मदद करती है और तंत्रिका तंत्र (nervous system) का एक मुख्य भाग है। यह न केवल हमारे शरीर को लचीलापन और गतिशीलता प्रदान करती है, बल्कि मस्तिष्क से संदेशों को शरीर के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने का काम भी करती है। रीढ़ की हड्डी 33 कशेरुकाओं (vertebrae) से बनी होती है, जिनमें से प्रत्येक का अपना कार्य और महत्व होता है।

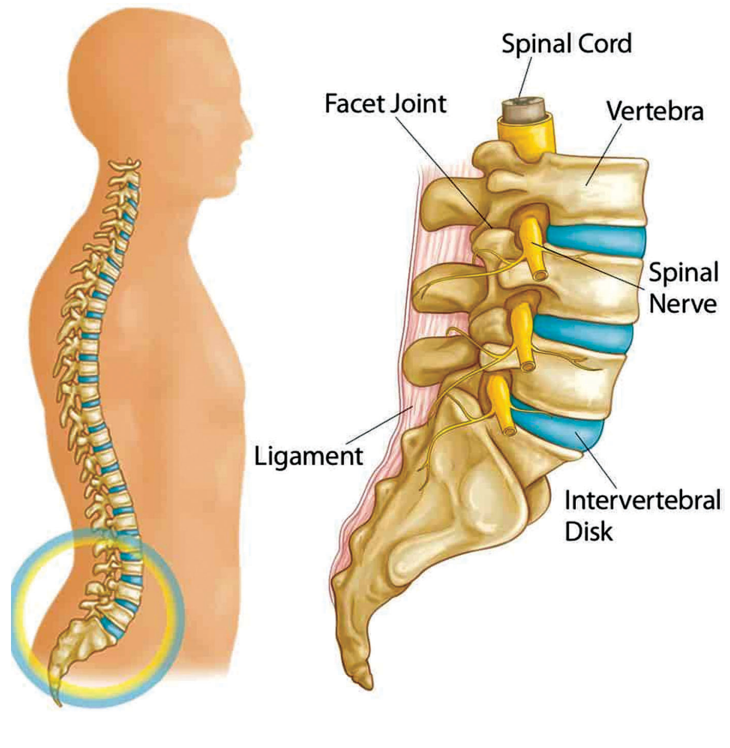

रीढ़ की हड्डी पूरे शरीर का समर्थन करती है और खड़े होने, बैठने और झुकने जैसे कार्यों में मदद करती है। यह हमारी शारीरिक संरचना को संतुलन और स्थिरता प्रदान करती है। रीढ़ के भीतर की स्पाइनल कॉर्ड (spinal cord) तंत्रिका तंत्र का एक प्रमुख हिस्सा है, जो मस्तिष्क से शरीर के विभिन्न हिस्सों तक संदेश पहुंचाती है। यह संचार प्रणाली हमारे शरीर के सभी अंगों को मस्तिष्क से जोड़ने में मदद करती है। रीढ़ की हड्डी हमारे शरीर को झुकने, मुड़ने और अन्य विभिन्न प्रकार की गतियों को करने में सक्षम बनाती है। इसके बिना हम चलने-फिरने और शारीरिक गतिविधियों को ठीक से नहीं कर सकते।

यह रीढ़ की संरचना को प्रभावित कर सकता है और स्लिप डिस्क, पीठ दर्द, गर्दन दर्द जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। जो लोग दिन भर बैठे रहते हैं या जिनकी शारीरिक गतिविधि कम होती है, उनमें रीढ़ की समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। शारीरिक गतिविधियों की कमी से मांसपेशियों और जोड़ों में कमजोरी आ जाती है, जिससे रीढ़ पर अनावश्यक दबाव पड़ता है और यह दर्दनाक हो सकता है। अधिक वजन होने से रीढ़ की हड्डी पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। मोटापे के कारण रीढ़ और उसके आसपास की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिससे पीठ दर्द, डिस्क की समस्याएं और अन्य रीढ़ संबंधी विकार हो सकते हैं। आप जानते होंगे की स्कोलियोसिस (ह्यष्श्द्यद्बश्ह्यद्बह्य) जैसी विकार से रीढ़ की हड्डी एक तरफ मुड़ जाती है, और उनके इलाज में विशेष ध्यान देना पड़ता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, रीढ़ की हड्डियों में प्राकृतिक रूप से कमजोरी आने लगती है। उम्र के साथ, रीढ़ की डिस्क्स में पानी की मात्रा कम होने लगती है, जिससे उनकी लचीलापन और कुशनिंग क्षमता कम हो जाती है। इससे पीठ दर्द, हर्निएटेड डिस्क, और साइटिका जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जिससे स्लिप डिस्क और अन्य रीढ़ संबंधी विकार हो सकते हैं। खासकर जब बिना सही तकनीक के भारी वस्तुएं उठाई जाती हैं, तो रीढ़ को अत्यधिक दबाव सहन करना पड़ता है।

रीढ़ की हड्डी के कमजोर होने के कुछ प्रमुख लक्षण निम्नलिखित हो सकते हैंरू जिसमें पीठ दर्द (Back Pain) यह सबसे सामान्य लक्षण है, जो रीढ़ की हड्डी की समस्याओं की ओर संकेत करता है। यह दर्द हल्के से लेकर गंभीर हो सकता है और लंबे समय तक बना रह सकता है। मांसपेशियों में कमजोरी (Muscle Weakness) रीढ़ की हड्डी की कमजोरी से शरीर के विभिन्न हिस्सों में मांसपेशियों में कमजोरी महसूस हो सकती है, खासकर पीठ और पैरों में। झनझनाहट और सुन्नता (Tingling and Numbness) रीढ़ की समस्याओं के कारण तंत्रिकाओं पर दबाव पड़ सकता है, जिससे हाथों और पैरों में झनझनाहट या सुन्नता हो सकती है। संतुलन में कठिनाई (Difficulty in Balance) रीढ़ की हड्डी में कमजोरी या दर्द होने पर चलने, खड़े होने या अन्य गतिविधियों में असंतुलन महसूस हो सकता है।

रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाए जा सकते हैं जैसे:- सही तरीके से बैठना, खड़ा होना और सोना रीढ़ की हड्डी की सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने से बचें और समय-समय पर अपनी स्थिति बदलें। कंप्यूटर के सामने बैठते समय रीढ़ को सीधा रखें और अपनी कुर्सी का इस्तेमाल सही तरीके से करें। नियमित रूप से व्यायाम करना रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। स्ट्रेचिंग, योग, और तैराकी जैसी गतिविधियाँ रीढ़ की लचीलापन और मांसपेशियों की मजबूती को बढ़ाती हैं। इससे रीढ़ पर दबाव कम होता है और दर्द से राहत मिलती है। भारी वस्तुओं को उठाते समय हमेशा अपने घुटनों से झुकें और पीठ को सीधा रखें। इससे रीढ़ की हड्डी पर पड़ने वाले अनावश्यक दबाव को कम किया जा सकता है। अधिक वजन से बचने के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम आवश्यक हैं। इससे रीढ़ पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सकता है। रीढ़ की हड्डी की कमजोरी का उपचार उसके कारणों और गंभीरता पर निर्भर करता है। कम गंभीर स्थितियों में दर्द निवारक दवाएँ, जैसे इबुप्रोफेन या एस्पिरिन, दर्द और सूजन को कम करने के लिए इस्तेमाल की जा सकती हैं। यह दवाएँ सामान्यत: अस्थायी राहत देती हैं, लेकिन लंबे समय तक उपयोग से बचना चाहिए। फिजिकल थेरेपी रीढ़ की समस्याओं के उपचार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसमें पेशेवर फिजिकल थेरेपिस्ट द्वारा व्यक्तिगत रूप से डिजाइन किए गए व्यायाम शामिल होते हैं। ये व्यायाम रीढ़ की मांसपेशियों को मजबूत करने और लचीलापन बढ़ाने में मदद करते है सर्जरी का निर्णय आमतौर पर डॉक्टर द्वारा तब लिया जाता है जब अन्य उपचारों से कोई राहत नहीं मिलती है। हालांकि सर्जरी से पहले और बाद में कई बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है। सर्जरी के बाद ठीक होने में समय लगता है और इसके साथ ही फिजिकल थेरेपी और सही देखभाल की आवश्यकता होती है।

इसके अन्य उपचार और सावधानियाँ महत्वपूण हो सकते है जैसे - चिरोप्रैक्टिक देखभाल (Chiropractic Care), एक्यूपंक्चर (Acupuncture), हॉट और कोल्ड थेरैपी (Hot and Cold Therapy), मालिश चिकित्सा (Massage Therapy), और तनाव प्रबंधन (Stress Management) एवं मानसिक तनाव रीढ़ की समस्याओं को बढ़ा सकता है। योग, मेडिटेशन, और अन्य विश्राम तकनीकों का अभ्यास तनाव को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, जिससे रीढ़ के दर्द में भी राहत मिलती है।

प्रियंका चोपड़ा ने स्विस आल्प्स पर पूरा किया बॉलीवुड का सपना, 'देसी गर्ल' बनी चांदनी

'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा जोनस सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर शानदार झलकियां फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। इस बीच प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह आल्प्स की बर्फ से ढकी पहाड़ियों में घूमती नजर आ रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी सेक्शन पर वीडियो साझा किया है, जिसमें वह एक लंबी जैकेट के साथ नीले रंग की बॉडी हगिंग ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। साझा किए गए वीडियो के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा 'क्रेन्स मोंटाना, आल्प्स, स्विट्जरलैंड में अपने बॉलीवुड सपने को जी रही हूं'। वीडियो क्लिप में प्रियंका ने 'चांदनी ओ मेरी चांदनी' गाना भी जोड़ा है। यह गाना फिल्म चांदनी का है, जो साल 1989 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में श्रीदेवी और ऋषि कपूर मुख्य भूमिका में थे।

इसके अलावा प्रियंका ने स्विस आल्प्स में अपने विज्ञापन शूट की कई तस्वीरें भी शेयर की हैं। पहली तस्वीर में वह नीले रंग की बॉडी हगिंग ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह अपनी खिड़की के पास बैठकर बर्फीले नजारे का आनंद ले रही हैं। एक और वीडियो है, जिसमें वह अपने विज्ञापन की शूटिंग करते हुए बर्फीले तूफानों के बीच नजर आ रही हैं। अपनी तस्वीरों और वीडियो के साथ उन्होंने एक टेक्स्ट नोट भी जोड़ा, जिसमें लिखा है 'स्विट्जरलैंड में मेरे कैंपेन शूट से बस एक छोटा सा बीटीएस, असली बर्फीले तूफान के बीच, लेकिन हमने जो मजा किया वो बहुत मजेदार था।

इस बीच प्रियंका ने फ्रैंक फ्लॉवर द्वारा निर्देशित 'द ब्लफ' की शूटिंग पूरी कर ली है। इसके अलावा वह 'सिटाडेल सीजन-2' पर भी काम कर रही हैं। प्रियंका चोपड़ा के प्रोडक्शन वेंचर पानी को भी बहुत जल्द सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। यह पर्यावरण के मुद्दों पर आधारित एक मराठी फिल्म है।

प्रियंका चोपड़ा कुछ महीने पहले अपनी फिल्म 'पानी' का ट्रेलर लॉन्च करने के लिए भारत आई थीं। प्रियंका ने तमिल फिल्म तमिजान से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। बाद में उन्होंने द हीरो-लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई से बॉलीवुड में कदम रखा था। उन्होंने फिल्म अंदाज से अपने अभिनय कौशल को साबित किया, जिसमें वह लारा दत्ता, अक्षय कुमार के साथ लीड रोल में थीं। इसके साथ ही वह एतराज में अक्षय कुमार और करीना कपूर के साथ निगेटिव रोल में नजर आई थीं। फिल्म में प्रियंका की एक्टिंग को काफी सराहा गया था।

प्रेग्नेंट हैं राधिका आप्टे, शादी के 12 साल बाद बनने जा रही हैं मां, फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

राधिका आप्टे प्रेग्नेंट हैं। उन्होंने लंदन फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की और अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट कर सबको सरप्राइज दिया। बता दें, राधिका शादी के 12 साल बाद मां बनने जा रही हैं। ओटीटी क्वीन राधिका आप्टे ने फैंस को बहुत बड़ा सरप्राइज दिया है। दरअसल, राधिका प्रेग्नेंट हैं और लोग इस बात से इतने हैरान इसलिए हैं क्योंकि राधिका ने चार महीनों तक कानों-कान इस बात की भनक नहीं होने दी। उन्होंने हाल ही में जब लंदन फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की तब लोगों को उनका बेबी बंप देख पता चला की वह प्रेग्नेंट हैं। यहां देखिए राधिका के बेबी बंप की तस्वीरें।

फिल्म फेस्टिवल अटेंड करने के बाद राधिका ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म फेस्टिवल की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में राधिका ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में पहली बार अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते नजर आईं। ऐसे में फैंस और सेलेब्स उन्हें बधाई देने लगे। गुनीत मोंगा कपूर ने लिखा, 'बधाई हो राधिका।' वहीं विजय वर्मा ने उनपर प्यार लुटाया।

राधिका ने अपने बॉयफ्रेंड और ब्रिटिश म्यूजिक कंपोजर बेनेडिक्ट टेलर से साल 2012 में शादी की थी। वहीं अब शादी के 12 साल बाद वह अपने पहले बच्चे को जन्म देने जा रही हैं। राधिका के वर्कफ्रंट पर बात करें तो राधिक अब तक हिंदी, मराठी, बंगाली और इंग्लिश फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं। वह ऐसी पहली भारतीय अभिनेत्री हैं जिन्हें एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट किया गया था। इसके अलावा, वह 'पैडमैन', 'अंधाधुन', 'बदलापुर', 'लस्ट स्टोरीज' जैसी फिल्मों और सीरीज में नजर आ चुकी हैं।

भाई सलमान खान की सुरक्षा को लेकर अरबाज खान का रिएक्शन

अरबाज खान का बाबा सिद्दीकी की हत्या और सलमान खान की सुरक्षा को लेकर पहला रिएक्शन, बोले- हर कोई टेंशन में है। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अब सलमान खान के भाई अरबाज खान का बयान आ गया है। उन्होंने भाईजान की सुरक्षा के लिए चिंता व्यक्त की है।

सलमान खान और उनका परिवार इन दिनों चिंता के दौर से गुजर रहा है। दिग्गज एक्टर के करीबी दोस्त और राजनेता बाबा सिद्दीकी की हत्या ने उनके परिवार को चिंता में डाल दिया है। हाल ही में बाबा सिद्दीकी को लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह के सदस्यों ने मुंबई के बांद्रा में गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह वही गिरोह है जिसने कथित तौर पर सलमान खान के घर और गायक एपी ढिल्लों के कनाडा स्थित घर के बाहर गोलीबारी की थी। वहीं बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अब सलमान खान के भाई अरबाज खान का बयान आ गया है। उन्होंने भाईजान की सुरक्षा के लिए चिंता व्यक्त की है।

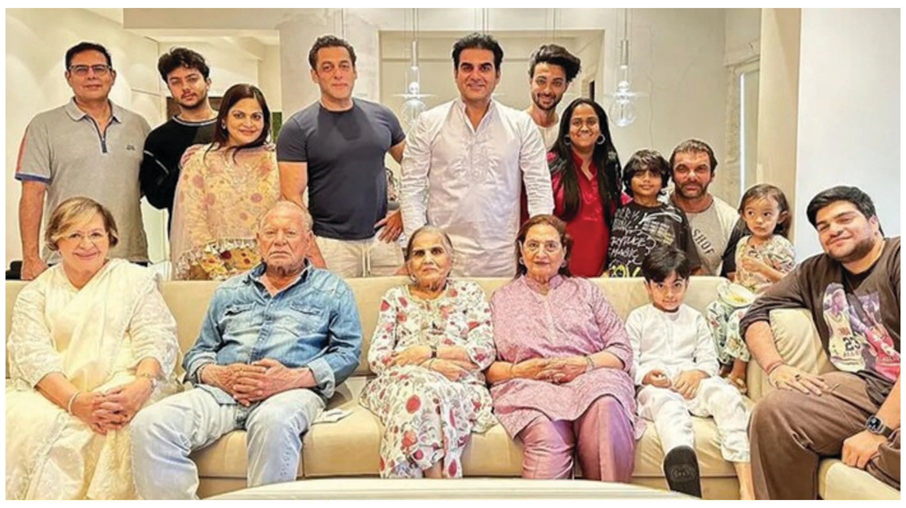

अरबाज खान ने हाल ही में जूम से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनका परिवार सलमान खान को लिए काफी चिंतित है। अरबाज खान की फिल्म बंदा सिंह चौधरी 25 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। जिसको लेकर उन्होंने यह बातचीत की है। अरबाज खान ने कहा, 'हम ठीक हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि हम बिल्कुल ठीक हैं क्योंकि परिवार में अभी बहुत कुछ हो रहा है। हर कोई चिंतित है, लेकिन मैं बंदा सिंह चौधरी के प्रमोशन कर रहा हूं। यह मेरी फिल्म है जो 25 अक्टूबर को रिलीज हो रही है और मुझे यह सुनिश्चित करना है कि फिल्म भी रिलीज हो। हां, बहुत कुछ हो रहा है लेकिन मुझे वही करना है जो मुझे करना है।'

भाई सलमान खान की सुरक्षा को लेकर अरबाज खान ने कहा, 'मैं यह नहीं कह रहा हूं कि इस समय हम सभी ठीक हैं, लेकिन हम वह करने की कोशिश कर रहे हैं जो हमें करना चाहिए। हम कोशिश कर रहे हैं कि हर कोई, सरकार और पुलिस, माहौल वैसा करें जैसा होना चाहिए। और वह सलमान हैं। हर कोई अपना बेस्ट कर रहा है। हम अभी ऐसे ही रहना चाहते हैं।' इसके अलावा अरबाज खान ने और भी ढेर सारी बातें की हैं।

टिकट रिजर्वेशन के नियम बदले, अब 4 नहीं 2 माह पहले होगा आरक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली/भिलाई। ट्रेनों में यात्रा के लिए बनाए गए आरक्षण नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। यह बदलाव आरक्षण अवधि को लेकर किया गया। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों के लिए अग्रिम आरक्षण की अवधि यानी एडवांस रिजर्वेशन पीरियड को चार माह से घटाकर 2 माह कर दिया है। यानी अब यात्रा करने के लिए 60 दिन पहले आरक्षण करवा सकेंगे। 1 नवंबर से यह नया नियम लागू होगा। 31 अक्टूबर तक की गई बुकिंग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रेलवे बोर्ड द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है।

रेलवे द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि 1 नवंबर से ट्रेनों में अग्रिम आरक्षण के लिए मौजूदा समय सीमा 120 दिनों से घटाकर 60 दिन कर दी जाएगी। 1 नवंबर 2024 से एडवांस रिजर्वेशन पीरियड एआरपी 60 दिनों (यात्रा के दिन को छोड़कर) की होगी और बुकिंग उसी के अनुसार की जाएगी।

120 दिनों के एआरपी के तहत 31 अक्टूबर 2024 तक की गई सभी बुकिंग बरकरार रहेंगी। 60 दिनों के एआरपी से परे की गई बुकिंग को रद्द करने की अनुमति होगी। ताज एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस आदि जैसी कुछ दिन के लिए चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों के मामले में कोई बदलाव नहीं होगा। विदेशी पर्यटकों के लिए 365 दिनों की समय सीमा के मामले में भी कोई बदलाव नहीं होगा।

4 माह पहले हो जाता था आरक्षण

वर्तमान नियमों के तहत यात्री अपनी यात्रा की योजना बनाने के बाद 4 माह पहले की टिकट बुक करा लेते थे। संभवत: इसके कारण यात्रियों को दिक्कतें भी होने लेगी। बताया जा रहा है कि रेलवे बोर्ड को इस संबंध कई सुझाव मिले। चार माह पहले की गई यात्री की प्लानिंग अक्सर समय आने पर कैंसिल हो जाती थी। वहीं चार माह पहले से बुकिंग विंडो खुलने से कुछ ही दिनों में वेटिंग लिस्ट सामने आ जाती थी। आखिरी समय में यात्रा कैंसिल होने पर कई सीटें खाली भी जाती थी जिसका नुकसान रेलवे को होता था। अग्रिम आरक्षण अवधि कम किए जाने से यह समस्या दूर होने की संभावना है। अचानक यात्रा का प्लान बनाने वालों को भी नए नियम का लाभ मिल सकता है।

रद्दीकरण दर में आएगी कमी

इस निर्णय का उद्देश्य वास्तविक यात्रियों के लिए टिकट की उपलब्धता में सुधार करना और रद्दीकरण और नो-शो की घटनाओं को कम करना है, जो आरक्षित बर्थ की बर्बादी का कारण बनती हैं। छोटी अग्रिम आरक्षण अवधि के साथ, यात्रियों को अपनी यात्रा योजनाओं में बेहतर स्पष्टता मिलेगी, जिससे वर्तमान 21त्न रद्दीकरण दर में कमी आएगी। अग्रिम आरक्षण अवधि की इस महत्वपूर्ण नीति का अंतिम बार संशोधन 1 जनवरी 2015 को 60 दिनों से 120 दिनों तक किया गया था। अतीत में, 1 सितंबर 1995 से 31 जनवरी 1998 के दौरान, यह अवधि 30 दिनों तक कम थी।

टिकटों की जमाखोरी भी होगी कम

यात्रा की अनिश्चितता के आधार पर, भारतीय रेलवे समय-समय पर अपनी अग्रिम आरक्षण अवधि नीति में बदलाव करता रहता है। नई नीति का उद्देश्य उन यात्रियों से निपटना है, जो बिना टिकट रद्द किए यात्रा नहीं करते, जिससे धोखाधड़ी और गलत पहचान की संभावना बढ़ जाती है। भारतीय रेलवे सभी यात्रियों से इस बदलाव से अवगत रहने और सुचारू यात्रा योजना सुनिश्चित करने के लिए संशोधित अग्रिम आरक्षण अवधि के भीतर जल्दी बुकिंग करने का आग्रह करता है। 60-दिन की बुकिंग विंडो टिकटों की जमाखोरी की संभावना को कम करने में मदद करेगी, जिससे वास्तविक यात्रियों के लिए अधिक टिकट उपलब्ध होंगे।

भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी के प्रतिमा का टंकराम वर्मा ने किया अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा का प्रदेश के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री ने धमतरी जिले के मगरलोड विकासखण्ड के ग्राम पंचायत करेली (छोटी) स्थित शीतला मंदिर चौक में अनावरण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने स्वर्गीय श्री बाजपेयी द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए किए गए योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने हमें छत्तीसगढ़ राज्य बनाकर दिया। उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता भी कहा जाता है। श्री वर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी को छत्तीसगढ़िया संस्कृति से बेहद लगाव था और उनका सपना था कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मंत्री श्री वर्मा ने करेली (छोटी) में गुड़गुड़ी चौक स्थित सांस्कृतिक कला मंच और सांसद निधि पर निर्मित गायत्री मंदिर शेड का लोकार्पण भी किया।

इस दौरान पूर्व विधायक श्रावण मरकाम, जिला पंचायत सदस्य खूबलाल ध्रुव, अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी, पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन से कछारडीह में पेयजल समस्या से मिली निजात

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महासमुंद जिला मुख्यालय से 70 किमी दूर स्थित ग्राम कछारडीह लंबे समय से पेयजल समस्याओं से जूझ रहा था। गांव के पास पानी के कुछ साधन जैसे 4 हैंडपंप और 2 पावर पंप थे, लेकिन गर्मियों में वे सूख जाते थे, जिससे पानी की भारी कमी हो जाती थी। कई परिवारों के घरों में पीने के पानी की कोई निजी व्यवस्था नहीं थी, और उन्हें तालाबों और कुओं से निस्तारी के लिए पानी लाना पड़ता था।

महिलाओं और बच्चों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता था। स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में भी पीने के पानी की सुविधा का अभाव था, जिससे बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ रहा था।

ग्राम कछारडीह में परिवर्तन की शुरुआत तब हुई जब जल जीवन मिशन के तहत ग्राम सभा का आयोजन कर ग्रामीणों को इस योजना के उद्देश्यों और लाभों से अवगत कराया गया। क्रियान्वयन के लिए संगम सेवा समिति को जिम्मेदारी दी गई। इस योजना अंतर्गत ग्राम जल स्वच्छता समिति का गठन किया गया, जिसमें 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई। समिति के अध्यक्ष के रूप में ग्राम सरपंच और सचिव के रूप में पंचायत सचिव की नियुक्ति की गई। जल जीवन मिशन के तहत गांव में गांव में 66.09 लाख रुपए की लागत से 40 किलोलीटर की जल टंकी का निर्माण किया गया। 635 मीटर पाइपलाइन बिछाई गई, जिससे हर घर में नल से पानी पहुंचना संभव हुआ। जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जल परीक्षण समिति बनाई गई। इस समिति में मितानिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे फील्ड टेस्ट कीट और .02 विधि से पानी की शुद्धता की नियमित जांच कर सकें।

अब हर घर में पानी की आपूर्ति हो रही है, जिससे महिलाओं को पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ता। ग्रामीणों ने शौचालयों का नियमित उपयोग शुरू किया, जिससे निस्तारी की समस्याएं कम हुईं। शुद्ध पेयजल मिलने से जलजनित बीमारियों में कमी आई। ग्रामीणों में जल संसाधनों के प्रति जागरूकता बढ़ी और वे अब अपने जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन कर रहे हैं।

हर परिवार से 50 रुपये का जल कर लिया जा रहा है, जिससे योजना का संचालन और रखरखाव सुनिश्चित हुआ। पानी के आपूर्ति तंत्र को सुचारू रखने के लिए पंप ऑपरेटर उमेंद्र कुमार ध्रुव की नियुक्ति की गई है, जो सुबह और शाम पानी की आपूर्ति का प्रबंधन करते हैं। जिले में हर-घर जल प्रमाणीकरण का गौरव 5 अक्टूबर को कछारडीह को प्राप्त हुआ। जल जीवन मिशन ने कछारडीह को न केवल शुद्ध पानी उपलब्ध कराया, बल्कि गांव को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी अग्रसर किया है। ग्रामीण अब अपनी समस्याओं का समाधान सामूहिक प्रयास से कर रहे हैं।

शासन के एक स्टेशन एक उत्पाद योजना से स्व सहायता समूह के महिलाओं की बदली जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

स्थानीय स्तर पर महिलाओं के हुनर को बढ़ावा देने की इस पहल से महिलाएं हो रही आर्थिक रूप से सशक्त

राजनांदगांव। जिले के रेल्वे स्टेशन में स्थापित शासन के एक स्टेशन एक उत्पाद योजना से स्वसहायता समूह की महिलाओं की जिंदगी बदल रही है। स्थानीय स्तर पर महिलाओं के हुनर को बढ़ावा देने की इस पहल से महिलाएं आर्थिक दृष्टिकोण से सशक्त हो रही हैं।

स्थानीय स्तर पर रूचि महिला मंडल की महिलाएं कॉटन क्लाथ से स्थानीय स्तर पर अच्छी गुणवत्ता के हैण्ड बैग बना रही हैं। स्टेशन में ऐसे बैग की बहुत डिमांड है। यहां लगभग 45 से अधिक वेरायटी है। यहां बाटल कव्हर, टिफिन बैग, मोबाईल कव्हर, पोटली, मार्केट बैग, फैंसी पर्स, पिट्ठू बैग, स्लाईन बैग, पाऊच बैग, साड़ी कव्हर बनाए गए हैं तथा हैण्डलूम कपड़ों से बैग का एक नया पैटर्न बिलासा ईजाद किया गया है। सभी बैग इको फ्रेंडली है। फोल्डिंग बैग, स्ट्रिंग बैग की बहुत सी श्रृंखला है।

एक स्टेशन एक उत्पाद की संचालक तीजन बाई साहू ने बताया कि यहां के उत्पादों की लगातार बिक्री हो रही है और स्टेशन में आने वाले यात्री इसकी खरीदारी कर रही है। रूचि महिला मंडल की मैनेजिंग डायरेक्टर सुश्री रचना शर्मा ने बताया कि रूचि महिला मंडल में 50 महिला सदस्य हैं। प्रतिदिन लगभग एक हजार रूपए के उत्पादों की बिक्री हो जाती है। बैग को उनकी वेरायटी के अनुसार नंबर एवं नाम भी दिए गए हैं। खुबसूरत कढ़ाई एवं रंग-बिरंगे डिजाइन के कारण ये बैग लोकप्रिय हो रहे हैं।

स्टेशन में आने-जाने वाले यात्री प्रतिदिन बैग की खरीदारी करते हैं। चेन्नई के श्री धर्मेन्द्र ने दो पर्स खरीदा। वही जामनगर की महिलाओं ने तथा रेणु साहू ने भी बैग खरीदा। महिला शक्तिकरण की दिशा में महिलाओं द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पाद अच्छी गुणवत्ता के हैं। कॉटन क्लॉथ का उपयोग से बने यह प्रोडक्ट वॉशेबल है और नागरिकों के वाजिब दाम में मिल रहे हैं।

डॉ.रमन सिंह के जन्मदिन पर छत्तीसगढ़ चेम्बर एवं कैट सीजी चेप्टर ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल एवं कैट सी.जी.चेप्टर के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि माननीय डॉ. रमन सिंह , पूर्व मुख्यमंत्री एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा के जन्मदिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ चेम्बर एवं कैट सी.जी.चेप्टर के प्रतिनिधि मंडल ने संयुक्त रूप से मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु की कामना की।

इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, प्रदेश प्रभारी आई.टी.सेल कैलाश खेमानी, मंत्री-राजेन्द्र खटवानी, प्रशांत गुप्ता, जयराम कुकरेजा, युवा चेम्बर महामंत्री कांति पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हिमांशु वर्मा, मंत्री-गोल्डी लूनिया, एवं कैट सी.जी.चेप्टर के महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष- परमानंद जैन, वासु माखीजा, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन एवं युवा कैट अध्यक्ष अवनीत सिंह, सर्वेश दौलतानी, योगेश भानुशाली, अविनाश खेतपाल, भारत भूषण गुप्ता, शैलेन्द्र शुक्ला सहित अनेक पदाधिकारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

किसानों से खेती से संबंधित कई विषयों पर गंभीरता से चर्चा हुई उन्होंने कई रचनात्मक सुझाव दिये : शिवराज सिंह चौहान

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआइबी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान और किसान संगठनों से संवाद के क्रम में आज नई दिल्ली में किसान संगठनों और उनके सदस्यों व अलग-अलग राज्यों के अनेकों किसान प्रतिनिधियों व किसानों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों से खेती से संबंधित कई विषयों पर गंभीरता से चर्चा हुई है।

श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किये गये सभी प्रयासों सहित पिछले कल रबी की एमएसपी बढ़ाने की जानकारी किसानों को दी गई। किसान संगठनों ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की व कई रचनात्मक सुझाव दिये। किसानों ने कहा कि मॉडल कृषि फार्म (मॉडल कृषि फार्मिंग) बनना चाहिए जिसमें यह जानकारी दी जाये कि एक-दो या ढ़ाई एकड़ ज़मीन वाले किसान कैसे खेती करें और किस तरह से उसी में लाभकारी खेती करें? किसानों ने एक एकड़ वाले फार्म में ही लाभकारी खेती कर रहे किसानों के उदाहरण भी दिये। उन्होंने पानी पहुँचाने, उर्वरकों के प्रयोग, मिट्टी को स्वस्थ बनाना, प्राकृतिक आपदा में हुए नुकसान के कारण परेशानियां, चीनी मिलों के बंद होने और आवारा पशुओं की समस्याओं आदि को लेकर चर्चा की। किसानों ने श्रीअन्न को बढ़ावा देने को लेकर भी सुझाव दिये हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों के सुझावों पर गंभीरता से विचार कर उनके समाधान का प्रयास करेंगे। राज्य सरकार से संबंधित विषय राज्यों को भेजेंगे और केंद्र सरकार के विषयों पर विभाग कार्रवाई करेंगे। किसानों से संवाद बहुत उपयोगी है। इस संवाद से हमें मूल समस्याओं की जानकारी सीधे किसानों से मिल रही है। साथ ही, शासकीय योजनाओं को भी किसानों तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को सभी 23 फसलों को घोषित एमएसपी पर खरीदने का फैसला लेने पर धन्यवाद देता हूं व अभिनंदन करता हूँ। इस किसान हितैषी निर्णय के लिए उनका अभिनंदन और उन्हें शुभकामनायें।

अभियान चलाकर लोगों को किया जा रहा है जागरूक

कोरबा। 05.10.2024 से 19.10.2024 तक संपूर्ण कोरबा जिले में शासन के मंशानुरूप पुलिस अधीक्षक कोरबा राजेश कुकरेजा के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा के मार्गदर्शन में सजग कोरबा के तहत सायबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत दिनांक 15.10.2024 को पुलिस टीम के द्वारा स्कूल कॉलेज एवं अन्य स्थानों पर जाकर साइबर जागरूकता पखवाड़ा के बारे में बताया गया और उन्हें साइबर फ्रॉड के संबंध में जागरूक किया गया। ओरिएंटल नर्सिंग कॉलेज मानिकपुर में साइबर सेल के द्वारा साइबर जागरूकता पखवाड़ा के तहत छात्र एवं शिक्षकों को साइबर जागरूक किया गया। केसीस कंप्यूटर कॉलेज में साइबर सेल के द्वारा साइबर जागरूकता पखवाड़ा के तहत छात्र एवं शिक्षकों को साइबर जागरूक किया गया। एनसीसी नेशनल कैंप कोरबा में साइबर सेल के द्वारा साइबर जागरूकता पखवाड़ा के तहत एनसीसी कैडेट को साइबर जागरूक किया गया। एसबीआई रामपुर के टॉपिंग टाउन होटल में एसबीआई बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी और सेवानिवृत को साइबर सेल के द्वारा साइबर जागरूकता पखवाड़ा के तहत लोगों को साइबर जागरूक किया गया। 15 ब्लॉक दशहरा मैदान में सीएसईबी पुलिस एवं सायबर सेल के द्वारा साइबर जागरूकता पखवाड़ा के तहत लोगों को साइबर जागरूक किया गया। ऐसी किसी भी प्रकार की घटना होने पर नजदीकी पुलिस थाने अथवा साइबर सेल से संपर्क करें।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

घर के बाड़ी में मिला युवक का शव, आत्महत्या की आशंका, धान मिजाई करने पहुंचा था चाचा के घर

जगदलपुर। कोंडागांव जिले के केशकाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत डोहलापारा अड़ेंगा में रहने वाले एक युवक का शव उसी के चाचा के बाड़ी में मिला। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच शव को पीएम के लिए भेजा गया। वहीं, मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, ऐसा माना जा रहा है कि युवक ने खुद ही अपने गले को काट आत्महत्या की है। फ्लिहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं शव मिलने की जानकारी लगते ही आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई है, पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है।

मामले की जानकारी देते हुए केशकाल थाना प्रभारी विकास बघेल ने बताया कि डोहलापारा निवासी अनिल मरकाम (29) अपने 4 से 5 साथियों के साथ धान मिजाई का काम करने के लिए अपने घर से 200 मीटर दूर अपने चाचा के घर आया हुआ था। धान मिजाई के दौरान अचानक से अनिल गायब हो गया। जिसके बाद काम कर रहे लोगों ने उसके ऊपर किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिया। काम खत्म होने के बाद काम कर रहे साथियों ने उसे खाना खाने के लिए खोजना शुरू किया।

शाम होने के कारण उनको लगा कि वह अपने घर चला गया होगा। लेकिन जब परिजनों से फोन पर बात कि तो पता चला कि अनिल अपने घर ही नहीं पहुंचा। जिसके बाद घर के लोगों ने अनिल की खोजबीन शुरू कर दी। खोजने के दौरान घर के पीछे बाड़ी में अनिल का लहूलुहान हालत में शव देखा गया। गले में गंभीर चोट के निशान देखे गए। वहीं, अनिल की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। अनिल का शव देखने के बाद परिजनों ने इस मामले की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद रात को मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

राजधानी में दिन दहाड़े युवक से लूट, रास्ता रोककर बदमाशों ने लूट लिए 20 लाख रुपए, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। राजधानी रायपुर में गुरुवार को दिन दहाड़े युवक से लूट का मामला सामने आया है। रास्ता रोककर बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। राजधानी के वेंकट होटल के सामने की यह घटना बताई जा रही है। पीड़ित युवक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार कमल विहार स्थित इस्कॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का सुपरवाइजर बैग में रुपए लेकर काम के सिलसिले में निकला था। अभी वेंकट अस्पताल के पास पहुंचा था कि बदमाशों ने उसे रोक लिया। बदमाशों ने उसके पास रखे 20 लाख रुपए लूट लिए और फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके की नाकेबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस का दावा है कि जल्द ही लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए इनाम की घोषणा, बताने वालों को मिलेंगे 5 हजार

जशपुर एसपी शशिमोहन सिंह का ऐलान, बोले सूचना देने वाले का नाम रखा जाएगा गुप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसग के जशपुर जिले में एसपी शशिमोहन सिंह ने फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए इनाम की घोषणा की है। अलग अलग थाना क्षेत्र के कुल आठ मामलों में फरार अपराधियों की सूचना देने वालों को नगद इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वालों का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। पशु क्रूरता, लूट, डकैती, हत्या का प्रयास, धार्मिक भावनाओं को आहत करने जैसे प्रकरणों में आरोपी फरार हैं।

पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह द्वारा जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से फरार अपराधियों पकड़ने के लिये नगद ईनाम की घोषणा की गई है। जिले के विभिन्न थानों में दर्ज विभिन्न अपराधों में शामिल रहे फरार आरोपियों के लिये जारी किया गया है। कुल 8 मामलों में फरार अपराधियों की सूचना देने वालों को पांच हजार रुपए इनाम दिया जाएगा। इस तरह 8 प्रकरणों में कुल 40 हजार रुपए इनाम की घोषणा की गई है।

एसपी शशिमोहन सिंह ने कहा है कि फरार आरोपी को पकड़वाने में जो कोई व्यक्ति ऐसी महत्वपूर्ण सूचना पुलिस को देगा, ऐसे व्यक्ति को 5000 रुपए नगद राशि से पुरस्कृत किया जावेगा। पुरस्कार वितरण के संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस अधीक्षक जशपुर का होगा।

यह है वे प्रकरण जिनसे संबंधित आरोपी फरार हैं

केस -1: थाना सिटी कोतवाली जशपुर के अपराध क्रमांक-244/2011 धारा 365, 376 (च) 307, भादवि के फरार आरोपी अन्नू घांसी पिता किनवा घांसी उम्र 25 साल निवासी आरा चौकी आरा जिला जशपुर का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 02.10.2011 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिए निवास से फरार है।

केस -2: थाना सिटी कोतवाली जशपुर के अपराध क्रमांक- 301/2022 धारा 153ए, 505 (1) (बी) 295 ए भा.द.वि. के फरार आरोपी प्रेम कुमार गेडाम राष्ट्रीय नेता निवासी चन्द्रपुर सिटी (महाराष्ट्र) का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 07.09.2022 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिये फरार चल रहा है।

केस -3: थाना कुनकुरी के अपराध क्रमांक- 50/2023 धारा 392,395 भादवि. के फरार आरोपी कृष्णा यादव पिता शिबो राम यादव 20 साल निवासी बिदुरपुर यादवपारा थाना फरसाबहार जिला जशपुर का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 27.04.2023 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिये फरार चल रहा है।

केस -4: थाना कुनकुरी के अपराध क्रमांक 32/2023 धारा छ.ग. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,6,10 के फरार आरोपी मो. शहीद खान पिता गुलजार खान 40 साल निवासी गोविन्दपुर थाना जारी जिला गुमला (झारखण्ड) का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 03.01.2023 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिए निवास से फरार है।

केस -5: थाना कुनकुरी के अपराध क्रमांक 53/2022 धारा छ.ग. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,6,10 के फरार आरोपी लाल खान उर्फ लल्लू खान पिता नाजीर खान उम्र 31 साल निवासी सांईटांगरटोली थाना लोदाम जिला जशपुर का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 15.03.2022 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिये फरार चल रहा है।

केस -6: थाना तपकरा चैकी करडेगा के अपराध क्रमांक- 91/2019 धारा 307, 450, 398, 34 भादवि के फरार आरोपी उमेश यादव पिता जोधन यादव निवासी धुरीअम्बा चैकी करडेगा जिला जशपुर का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 27.09.2019 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने निवास से फरार है।

केस -7: थाना तपकरा चैकी करडेगा के अपराध क्रमांक 06/2015 धारा 395, 397, भादवि. 25, 27 आर्म्स एक्ट के फरार आरोपी मनोज कण्डुलना पिता अनबन कण्डुलना 22 साल निवासी राणानाटोली टोनिया थाना जलडेगा जिला सिमडेगा (झारखण्ड) का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 14.01.2015 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने निवास से फरार है।

केस -8: थाना तपकरा चौकी करडेगा के अपराध क्रमांक- 87/2020 धारा धारा 153ए, 429, 120 (बी) 201 भा.द.वि. पशु कुरता अधिनियम 1960 की धारा 11 (1) (घ) (च) के फरार आरोपी इन्ताब खान एवं अन्य सांईटांगरटोली थाना लोदाम जिला जशपुर के निवासी हैं। उक्त आरोपीगण दिनांक 09.07.2020 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने निवास से फरार हैं।

सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। अपराधियों की सूचना) पुलिस अधीक्षक जशपुर के मोबाइल नंबर 9479193600 के साथ ही एसपी जशपुर 9479193601, एसडीओपी जशपुर 9479193605, पुलिस कन्ट्रोल रूम जशपुर 9479193699, थाना प्रभारी कुनकुरी 9479193613, थाना प्रभारी जशपुर- 9479193608 व थाना प्रभारी तपकरा 9479193609 को दी जा सकती है।

बाइक सवार युवक को बचाने के चक्कर में पलटी कार, छात्रावास अधीक्षक की मौत

रायगढ़ (ए.)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला मुख्यालय में गुरुवार की रात बाइक सवार एक युवक को बचाने के चक्कर मे मेडिकल कालेज के पास कार पलट जाने से कार सवार छात्रावास अधीक्षक की मौत हो गई, वहीं एक अन्य घायल हो गया है। उक्त मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार की रात चक्रधर नगर थाना क्षेत्र मे डिग्री कालेज के पास स्थित एक छात्रावास के अधीक्षक सुनील कुमार यादव (36) अपने दोस्त आशीष कुमार होता के साथ किसी काम के सिलसिले मे नेक्सोन कार से ओडिशा की तरफ गए हुए थे। वहां से वापसी के दौरान रात तकरीबन 8 बजे के आसपास जब कार सवार दोनों मेडिकल कॉलेज के पास पहुंचे ही थे की रॉन्ग साइड से आ रहे एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर मे उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। इसके बाद आनन फानन मे दोनों घायलों को मौके पर मौजूद लोगों के द्वारा रायगढ़ मेडिकल कॉलेज मे ले जाया गया, जहां प्रारंभिक जांच मे ही डॉक्टर ने सुनील यादव को मृत घोषित कर दिया।

सड़क हादसे में छात्रावास अधीक्षक सुनील यादव की मौत की खबर मिलते ही चक्रधर नगर थाना प्रभारी प्रशांत राव आहेर तत्काल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे जिसके बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आगे की कार्रवाई मे पुलिस टीम जुट गई है।

चक्रधर नगर थाना प्रभारी प्रशांत राव आहेर ने बताया की बाइक सवार एक युवक को बचाने के चक्कर मे यह घटना घटित हुई है और दुर्घटना के समय कार को छात्रावास अधीक्षक सुनील यादव चला रहे थे। इस घटना में कार पूरी तरह से पलट गई थी जिसके बाद बाइक सवार युवक भी भाग गया है। बताया जा रहा की इसी माह कुछ दिन पहले ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल से किसी काम के सिलसिले मे बाहर निकलते ही एक वार्ड बॉय की स्कार्पिओ वाहन की चपेट मे आने से उसकी मौत हो गई थी।

सर्वेश्वर धाम मंदिर में चोरी, दानपेटियां तोड़कर लाखों रुपए ले गया बदमाश

■ 7 दानपेटियां तोड़ी बदमाश ने, सीसी टीवी फुटेज में दिखा चोर, भट्ठी थाना क्षेत्र का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेक्टर-4 ए मार्केट स्थित सर्वेश्वर धाम मंदिर में चोरों ने धावा बोला। मंदिर की 7 दानपेटियों को तोड़कर इसमें से रखी नगदी पर हाथ साफ कर दिया है। दानपेटियां पिछले कई माह से नहीं खुली थी और नवरात्रि के दौरान भी काफी दान आया था। बदमाशों ने चिल्हर छोड़ दिया और सारे नोट ले गए। इस मामले में मंदिर समिति की शिकायत पर भिलाई भट्ठी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 305-बीएनएस, 331(4)-बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरी के संबंध में सर्वेश्वर धाम मंदिर समिति के महासचिव भवानी शंकर पाणीग्रही ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि मंदिर का देख रेख करने का कांम गंगा राम सोनी के द्वारा किया जाता है। गंगाराम ने बुधवार की रात 9.00 बजे मंदिर में ताला लगाया और भवानी शंकर को उनकी दुकान शंकर मेडीकल स्टोर में चाबी छोड़ गया। गुरुवार की सुबह करीबन 6 बजे चाबी लेकर गंगा राम सोनी मंदिर का ताला खोलने गया।

गंगाराम जैसे ही मंदिर पहुंचा तो देखा कि ग्रील का कुण्डा टुटा हुआ है। इसके बाद गंगाराम ने भवानी शंकर को फोन कर बताया कि मंदिर का ग्रील का कुण्डा ताला टूटा हुआ है। सूचना के बाद भवानी शंकर पहुंचा और देखा कि दो ताला कुण्डा सहीत मेन गेट के बगल में रखा हुआ है। मुख्य द्वार का दरवाजा अंदर से चिटकनी बंद था। मंदिर के बाएं तरफ जोत कक्ष के तरफ गए वह दरवाजा भी बाहर से कुंडी लगा हुआ था। अंदर जाकर देखने पर मंदिर में रखी सात दान पेटी टूटी हुई थी। इनमें से चार कांच का दान पेटी व तीन लोहे का दान पेटियां हैं।

पीछे के रास्ते आसानी से भाग निकला चोर

कांच के दान पेटी को उपर से कांच को तोड कर एवं लोहे के दान पेटी को छोटा दरवाजा को तोड कर उसमें रखे 10, 20, 50, 100, 500 रुपए के नोट अज्ञात चोर ले गए। मंदिर में लगे सीसी टीवी कैमरे को देखने से पता चला कि घटना 1से 2बजे के बीच की है। जाते समय चोर पीछे की ओर जोत रूम के तरफ का ताला तोड कर बाहर निकले हैं। नवरात्रि का समय होने के कारण मंदिर में काफी दान आया जो कि दान पेटियों में ही था। पूरा पैसा चोर ले गए। शिकायत के बाद पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज कर लिया है और अज्ञात चोरों की तलाश की जा रही है।

साइकिल अनियंत्रित होने से नहर में गिरा किसान, तलाश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिले के गुंडरदेही थाना क्षेत्र के ग्राम हल्दी में एक किसान साइकिल अनियंत्रित होने से नहर में जा गिरा। जिसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पाया है। किसान की पहचना हरिदास मानिकपुरी (65) के रूप में हुई है। मौके पर सूचना के बाद पुलिस पहुंची। लेकिन घटना के 12 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। अपने खेतों के काम कर शाम के वक्त लौटते समय किसान के साथ यह हादसा हुआ।

थाना प्रभारी लक्ष्मी जयसवाल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली तो तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची आसपास के ग्रामीणों से बात भी की गई। उसके बाद पुलिस द्वारा रात के अंधेरे में किसान को तलाश किया गया। आधी रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। परंतु काफी अंधेरा और जलाशय के पानी का तेज बहाव होने के कारण हमें सफलता नहीं मिली है। अब आज सुबह किसान को ढूंढने का प्रयास शुरू किया है।

गांव के ढालेंद्र सार्वा ने बताया कि जब किसान नहर में बह रहा था तो उन्होंने आवाज देकर बताया कि मैं हरी हूं और नहर में बह रहा हूं। जिसके बाद पूरी घटना की जानकारी मिली। आज सभी गांव वाले यहां पर उसे ढूंढने के लिए आए हुए हैं परंतु रात के अंधेरे में काफी दिक्कतें हुईं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग, बालोद (छ.ग.) कोड नं. 74
TELE.: 07749-299073* E-MAIL:wrd.division.balod@gmail.com

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना क्र. 04/व.ले.लि./2024-25 दिनांक 31.07.2024 सिस्टम निविदा क्रमांक 156764, जी-242501539/1, 2, 3 को प्रथम आमंत्रण की निविदा आमंत्रित की गई थी जिसमें केवल एक ही निविदाकार को योग्य पाये जाने के कारण एकल निविदा तथा प्रतिस्पर्धा का अभाव परिलक्षित होने की स्थिति में प्रथम निविदा निरस्त की जाती है।

जी-242503243/7

कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग बालोद (छ.ग.)

जमीनी विवाद के कारण ग्रामीणों ने की थी शख्स की हत्या नक्सली घटना दिखाने के लिए फेंका पर्चा, चार गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लॉक के पोषणपल्ली निवासी ताटी कन्हैया की हत्या जमीन विवाद के चलते गांव के ही चार लोगों ने कर दी गई थी। इसका खुलासा पुलिस ने किया है। इस वारदात को नक्सली घटना का रूप देने के लिए आरोपियों ने शव के पास फर्जी पर्चा डाला था।

पुलिस ने बताया कि सात अक्तूबर को भोपालपटनम ब्लॉक के ग्राम पोषणपल्ली निवासी ताटी कन्हैया की हत्या की घटना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस भोपालपटनम के नेतृत्व में प्रकरण में विवेचना के लिए टीम गठन किया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान पाया गया कि मृतक का ग्राम के तेलम रामैया पिता स्व. बुड़तैया उम्र 42 निवासी पोषणपल्ली मातापारा से जमीन विवाद चल रहा था।

आरोपी द्वारा जमीन विवाद के चलते ग्रामीण कन्हैया ताटी को जान से मारने की योजना बनाये एवं सहयोगियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिए।

प्रकरण को माओवादी घटना का रूप देने के लिए ताटी धमैया के हाथों फर्जी माओवादी पर्चा प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन मद्देड़ एरिया कमेटी कमाण्डर बुचन्ना के नाम से तैयार किया गया। सात अक्टूबर की शाम सात बजे घटना के मुख्य आरोपी व सहयोगियों के द्वारा मिलकर पुराना स्कूल के पीछे कन्हैया ताटी को बुलाये एवं गुप्ती से सिर, छाती, पसली व गला में हमला कर हत्या कर दी व पास में फर्जी माओवादी पर्चा फेंक दिया। घटना के मुख्य आरोपी ने घटना करने को स्वीकार करने के बाद घटना में इस्तेमाल हुए गुप्ती, डंडा बरामद किया गया हैं।

घटना में आरोपियों में तेलम रामैया पिता स्व. बुड़तैया उम्र 42 निवासी मातापारा पोषणपल्ली, मट्टी कांतैया पिता स्व. पापैया मट्टी उम्र 42 निवासी मातापारा पोषणपल्ली, कुरसम शंकर पिता कुरसम गुज्जैया उम्र 35 निवासी मातापारा पोषणपल्ली व सुरेंद्र धुर्वा पिता बण्डी धुर्वा उम्र 27 निवासी बामनपुर थाना भोपालपटनम शामिल रहे। घटना शामिल आरोपियों को भोपालपटनम थाना में वैधानिक कार्यवाही के बाद न्यायिक रिमांड पर न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग बेमेतरा जिला बेमेतरा (छ.ग.)
जय स्तंभ चौक बेमेतरा
दूरभाष क्र. 07824-222019, Email:- ee.bemetara@gov.in

टेन्ट / शामियाना दर आमंत्रण सूचना

दर आमंत्रण विज्ञप्ति क्र. 5171 /टेंट/24-25/वलेस/बेमेतरा दिनॉक 10 / 10 /24

छत्तीसगढ़ के राज्यपालन की ओर से लोक निर्माण विभाग संभाग बेमेतरा के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 के दौरान समय-समय पर आवश्यक टेन्ट/ शामियाना कार्य के लिये पंजीकृत संस्थान (शॉप एक्ट पंजीयन एवं जी.एस.टी पंजीयन) से निविदा प्रपत्र-बी (आयटम दर निविदा) में निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

1. आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 29/10/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
2. भाव पत्र प्राप्त करने की प्रस्तुत अंतिम तिथि : 06/11/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
3 भाव पत्र खोलने की तिथि : 08/11/2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे

अमानत राशि	रू. 2,00,000/- (राष्ट्रीकृत बैंक का एफ.डी.आर.)
प्राप्त दर	दिनांक 31.03.2025 तक के लिए मान्य होगा
प्रपत्र - मूल्य	रू. 750/-
स्वीकृत दर	अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग मण्डल दुर्ग का ज्ञाप क्रमांक 1916/सा/2022 दुर्ग दिनांक 13.03.2023 द्वारा स्वीकृत दर (टेंट शामियाना हेतु) अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग (वि/यां) रायपुर मण्डल रायपुर का ज्ञाप क्रमांक 2015/सा/विविध -09 /2018-19 दिनांक 27.10.2021 द्वारा स्वीकृत दर (माईक, लाईट हेतु) (उपरोक्त दर जी.एस.टी. सहित है)

टीप :- शेष नियम एवं शर्ते कार्यालय से प्राप्त करें।

जी-242503253/4

कार्यपालन अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग बेमेतरा
संभाग बेमेतरा

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. Ltd.
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (TRANSMISSION), RAIPUR QTR. NO.-C-08/11, FIRST FLOOR, Danganiya, Raipur (C.G.) -492 013
CIN-U40108CT2003SGC015820 GSTIN-22AADCC5773E1ZX (A Government of Chhattisgarh Undertaking)
Website- www.cspc.co.in e-mail: - cetrans.raipur@cspc.co.in Ph.No. 0771-2574411,4450

No.02-19/Tender/P-48/718 Raipur, Dtd.16.10.2024

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited from eligible bidders for following work:-

Sl.	Tender No.	Particulars	Qty.	E.M.D. (in Rs.)	Due date of opening
1	02-19/ Tender/ P-48/718 dtd.16.10.2024	AC Ambulance (Car Category-III) with 1 driver on hire contract basis for Addl.CMO, Dispensary, CSPTCL, Bhilai	1 No.	9020/-	08/11/2024 15:30 Hrs.

NOTE :- (I) Other terms & condition details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in

Executive Director (Trans)
CSPTCL, Raipur (C.G.)

SAVE ELECTRICITY S-41839/1

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

शासकीय योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में जनसंपर्क विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण : पी. दयानंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनसंपर्क विभाग के सचिव पी. दयानंद ने कहा है कि राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में जनसंपर्क अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जनसंपर्क अधिकारियों को राज्य सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लोगों की भलाई के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। पिछले 10 माह में राज्य सरकार ने किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के लिए अनेक फ्लैगशिप योजनाएं शुरू की हैं, जिससे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल व सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। वे नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद भवन में विभागीय काम-काज की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। सचिव श्री दयानंद ने कहा कि लोगों तक योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर सूचना क्रांति का है, ऐसे में सोशल मीडिया का महत्व बढ़ते जा रहा है। जनसंपर्क अधिकरियों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समाचार माध्यमों को त्वरित रूप से समाचार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

सचिव श्री दयानंद ने कहा कि समाचार की भाषा शैली सरल, आकर्षक और पठनीय होनी चाहिए। सफलता की कहानी में किसी व्यक्ति के जीवन आए बदलाव के बारे में तथ्यपरक जानकारी और सुसंगत फोटोग्राफ का उपयोग किया जाए। राज्य सरकार के फ्लैगशिप योजनाओं और नवाचारी कार्यों के संबंध में समय-समय पर विशेष लेख नियमित रूप से जारी किया जाए।

उन्होंने कहा कि नगरीय योजनाओं से संबंधित होर्डिंग्स नगरीय क्षेत्रों में लगाए जाएं और इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित योजनाओं की होर्डिंग्स तहसील मुख्यालयों और जनपद पंचायतों के परिसर में लगाए जाएं। उन्होंने बैठक में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, नेशनल मीडिया और क्षेत्रीय स्तर पर प्रिंट मीडिया में प्रचार-प्रसार कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए।

उन्होंने बैठक में जिला जनसंपर्क कार्यालयों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे शासन के कार्यों और फ्लैगशिप योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विभागीय सेट-अप की भी जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। सचिव श्री दयानंद ने छत्तीसगढ़ संवाद के विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में संचालक जनसंपर्क अजय कुमार अग्रवाल, अपर संचालक जे.एल. दरियो, उमेश मिश्रा, संजीव तिवारी, आलोक देव, संतोष मौर्य, श्रीमती हर्षा पौराणिक सहित विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

आजीविका के लिए आयमूलक गतिविधियों को दें बढ़ावाः नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति व अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने अम्बिकापुर प्रवास के दौरान शासकीय उद्यान रोपणी एवं कृषि विज्ञान केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने शासकीय उद्यान रोपणी में लगाए गए पौधों और पौधे विकसित किए जाने की कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने यहां सीडलिंग यूनिट का भी अवलोकन किया। उन्होंने उद्यान की साफ-सफाई रखने, अधिक पौधों का उत्पादन करने तथा उद्यानिकी फसल अधिक से अधिक लेने के निर्देश दिए। इसके पश्चात श्री नेताम ने कृषि विज्ञान केंद्र अजिरमा का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में लगाए गए धान, उड़द, गन्ने, हल्दी आदि का अवलोकन कर आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने पिछले सीजन में धान उत्पादन की भी जानकारी ली।

मंत्री श्री नेताम ने आजीविका के लिए आयमूलक गतिविधियों को बढ़ाने की बात कही। इसके साथ ही कुक्कुट पालन इकाई, बत्तख सह मछली पालन इकाई, दुग्ध उत्पादन इकाई आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही उन्होंने कृषि महाविद्यालय फार्म का भी अवलोकन किया।

पशु सखियों से मिलकर किया उत्साहवर्धन

मंत्री श्री नेताम ने कृषक प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित पशु सखियों के 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में दीदियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने दीदियों से कार्य की जानकारी ली, दीदियों ने बताया कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बिहान के माध्यम से पशु सखी के रूप प्रशिक्षण लिया। उन्होंने बताया कि अब वे स्वयं पशुओं के टीकाकरण के साथ प्राथमिक उपचार भी कर लेती हैं। कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि आप बेहतर कार्य कर रही हैं, घर परिवार सम्हालने के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो गई हैं। उन्होंने कहा कि कार्ययोजना बनाकर सुकर फार्म खोलें, इसमें शासन का पूरा सहयोग रहेगा। वहीं उन्होंने कहा कि मुर्गी फार्मिंग में भी अच्छा लाभ हो सकता है, इसकी भी तैयारी करें। कड़कनाथ तैयार करने यूनिट लगाएं और ट्रेनिंग शुरू करें।

छात्रावास का किया आकस्मिक निरीक्षण

श्री नेताम ने गुरुवार को शासकीय पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास अम्बिकापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। मंत्री श्री नेताम ने छात्रावास भवन, परिसर, छात्रों के कक्ष, वॉशरूम, छत आदि का अवलोकन किया और छात्रों से उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं पर चर्चा भी की। मंत्री श्री नेताम ने छात्रावास के निरीक्षण के दौरान भवन की खराब स्थिति को देखकर अधीक्षक से मरम्मत कार्य के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। अधीक्षक ने बताया कि विभाग द्वारा मरम्मत कार्य हेतु राशि स्वीकृत होने के पश्चात कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अभी यहां शौचालय मरम्मत एवं पुट्टी का काम किया जा रहा है। मंत्री श्री नेताम ने गंभीरता के साथ मरम्मत कार्य पूर्ण करने कहा। उन्होंने कहा कि छात्रों को किसी प्रकार की समस्या ना हो, सभी कार्य जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने इसके साथ ही छात्रावास के दोनों ओर शौचालय निर्माण कराए जाने, कमरों एवं छत में टाइल्स लगवाने, भवन के सामने प्रवेशद्वार में पेवर ब्लॉक टाइल्स, खिड़कियों और दरवाजे की मरम्मत के साथ-साथ नेट लगवाने, छत में शेड, प्लिथ प्रोटेक्शन के बाद ड्रेनेज के लिए नाली हेतु निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने परिसर में छात्रों के लिए बास्केटबॉल, बैडमिंटन खेल के लिए पर्याप्त व्यवस्था किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी, कम्प्यूटर कक्ष की अच्छी व्यवस्था हो। वहीं आवश्यकतानुसार शयन कक्ष में पंखे, लाईट, अलमीरा, टेबल, बेड आदि की व्यवस्था करें। उन्होंने बताया कि उनकी पढ़ाई इस छात्रावास में हुई है। मंत्री श्री नेताम ने छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

ऑल इंडिया फॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट-2024

छत्तीसगढ़ ने 7 गोल्ड जीतकर बनाया दबदबा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एथलेटिक स्टेडियम कोटा में आयोजित 27 वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। गुरूवार को आयोजित मैराथन, स्विमिंग और एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाओं में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 गोल्ड मेडल जीतकर प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम रखा। गौरतलब है कि ऑल इंडिया फॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट में छत्तीसगढ़ ने 11 बार ओवरऑल चैम्पियन का खिताब जीत चुका है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के वर्तमान प्रदर्शन से एक बार फिर से ओवरऑल चैम्पियनशिप का खिताब जीतने की उम्मीद जगाई है।

नोडल अधिकारी श्रीमती शालिनी रैना ने बताया कि आज की प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों में 400 मीटर वाक वुमन ओपन कैटेगरी में सुशीला पैकरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं 1500 मीटर रेस मेन वेटरन कैटेगरी में सुखनंदन लाल ध्रुव, 21 किमी मैराथन वुमन ओपन कैटेगरी में भारती साहू, इसी स्पर्धा में वुमन वेटरन कैटेगरी में सतोविषा समाजदार, हाई जम्प मेल में सत्यजीत भट्ट, 100 मीटर फ्री स्टाइल स्विमिंग में मनीराम आदिले और 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक स्वीमिंग में निखिल खलखो ने प्रथम स्थान हासिल कर प्रदेश का नाम रौशन किया। इसी तरह छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त 100 मीटर रेस मैन सीनियर वेटरन केटेगरी में केरल के जय कुमार, 5000 मीटर रेस मैन सीनियर वेटरन केटेगरी में तमिलनाडु से उथया कुमार और 10,000 मीटर वाक मैन वेटेरन कैटेगरी में केरल के साबू एम ने प्रथम स्थान हासिल किया।

श्रीमती रैना ने बताया कि नवा रायपुर में आयोजित हुए मैराथन में महिलाओं खिलाड़ियों ने शानदार हिस्सा लिया। इसके लिए बुधवार को ही कोटा स्टेडियम में महिला प्रतिभागियों के लिए मेडिकल चेकअप की व्यवस्था की गई थी। जिन प्रतिभागियों का फिटनेस बेहतर पाया गया उन्होंने ही आज सुबह आयोजित हुए मैराथन में हिस्सा लिया।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 16 अक्टूबर को 27 वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता शुभारंभ किया। इस भव्य आयोजन में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा है। विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए पूरे जोश और जज्बे के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं।

राज्य महिला आयोग के नवनियुक्त सदस्यों ने किया पदभार ग्रहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 26 सितम्बर 2024 छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के रिक्त पद पर 5 सदस्यों की नियुक्ति की गई, जिसमें से श्रीमती लक्ष्मी वर्मा (बलौदाबाजार) ने 7 अक्टूबर को ही आयोग कार्यालय आकर पदभार ग्रहण कर लिया था और बाकी चार सदस्यगण श्रीमती प्रियंवदा सिंह जूदेव (जशपुर), श्रीमती सरला कोसरिया (महासमुंद), श्रीमती ओजस्वी मंडावी (दंतेवाड़ा) एवं दिपिका सोरी (सुकमा) ने आयोग कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं के हितों में मिलकर कार्य करने के लिए कहा।

ज्ञात हो कि पुराने सदस्यों का कार्यकाल 27 जून 2024 को समाप्त हो गया था। छ.ग. राज्य महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र भेज कर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के सभी पांचों सदस्यों की जल्द से जल्द नियुक्ति की मांग की गई थी. और यह निवेदन किया गया था कि सभी संभाग से खासकर सरगुजा एवं बस्तर संभाग से सदस्यों की नियुक्ति की जाए। जिस पर अमल करते हुए छ.ग. शासन द्वारा सरगुजा, बस्तर, रायपुर संभागों से सदस्यों की नियुक्ति करने पर डॉ. किरणमयी नायक ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

इस दौरान बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, छ.ग. राज्य महिला आयोग के सचिव मनोज कुमार सिन्हा, सहायक संचालिका श्रीमती पुष्पा किरण कुजूर व आयोग के सभी कर्मचारिगण और नवनियुक्त सदस्यों के साथ भारी मात्रा में कार्यकर्तागण पदभार ग्रहण समारोह में उपस्थित थे।

जशपुर की बेटियां क्रिकेट के पिच पर कर रहीं कमाल

राष्ट्रीय क्रिकेट टीम महिला अंडर-17 में जशपुर की 03 खिलाड़ियों का हुआ चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। क्रिकेट को भारत में खेल नहीं बल्कि जुनून के रूप में जाना जाता इस जुनून का रंग अब जशपुर की बेटियों में भी नजर आ रहा है। जहां जशपुर की बेटियां ना सिर्फ राज्य अपितु राष्ट्रीय स्तर पर जिले का परचम लहराने के लिए तैयारी कर रहीं हैं।

इसमें विशेष यह है कि जशपुर जिले में संचालित प्री मेट्रिक बालिका छात्रावास इचकेला की 03 बालिकाओं का चयन अम्बिकापुर में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024-25 महिला अंडर-17 में अच्छे प्रदर्शन के द्वारा रजत पदक प्राप्त करते हुए राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम के अंडर-17 दल में हो गया है। चयनित खिलाड़ियों में एंजल लकड़ा, झुमुर तिर्की और वर्षा बाई शामिल है। जो आगामी महिला अंडर-17 राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता 2024-25 में सम्मिलित होगें। छात्रावास अधीक्षिका पंडरी बाई ने बताया कि उनकी बेटी आकांक्षा रानी जब छोटी थी तब उन्होंने उसकी रुचि क्रिकेट में देखी और उसे अच्छे स्तर पर कोचिंग दिलाई और उसने राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति हासिल की फिर जब उन्होंने अपने छात्रावास की बच्चियों की ओर देखा तो सभी में अपनी बेटी के समान ही छुपी प्रतिभा को पाया और ठान लिया की वो उन बच्चियों के लिए भी एक बेहतर भविष्य का निर्माण करेंगी। उन्होंने आगे बताया कि उसके बाद उन्होंने छात्रावास में ही अभ्यास पिच का निर्माण करवाया, फिर बच्चों के लिए बेहतर क्रिकेट सामग्रियां भी ली और अपनी बेटी एवं उसके कोच के माध्यम से बच्चियों की ट्रेंनिग चालू की। जल्द ही इसका परिणाम सामने आने लगा एक एक कर छात्रावास की सभी बच्चियों की प्रतिभा बाहर आने लगी। आज सरगुजा संभाग की क्रिकेट टीम में 13 बच्चियां जशपुर की हैं और 11 तो इचकेला छात्रावास की ही हैं। इसके अलावा तीन बच्चियों का चयन राष्ट्रीय महिला क्रिकेट के अंडर-17 दल में हुआ है और एक बालिका का चयन बीसीसीआई की अंडर 19 दल में भी हुआ है। हमें शासन प्रशासन का समय समय पर योगदान एवं भी मिलता रहा जिसके लिए हम आभारी हैं।

बीसीसीआई अंडर 19 दल में वर्षा का हुआ चयन

10वीं कक्षा की वर्षा बाई ने बताया कि छात्रावास में अधीक्षिका के द्वारा हमें निरन्तर प्रशिक्षण एवं सहायता उपलब्ध करायी जा रहा है जिससे हमें प्रोत्साहन मिलता है जब मेरे राष्ट्रीय टीम में चयन की बात मेरे परिजनों को पता चली तो उनकी खुशी का ठीकाना नहीं था उन्होंने पूरे गाँव में मिठाइयां बाटीं। सभी ने कहा कि ऐसे ही खेलो ताकि पूरे देश और विश्व में जिले का नाम रौशन करो। मेरा चयन राष्ट्रीय महिला क्रिकेट के अंडर-17 दल के साथ बीसीसीआई के अंडर -19 दल में भी हुआ है।

स्मृति मंदाना की तरह बल्लेबाज बनना चाहतीं हैं एंजेल

कक्षा 8वीं में पढ़ने वाली एंजेल लकड़ा ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि उनका चयन राष्ट्रीय महिला क्रिकेट के अंडर-17 दल में हुआ है। मुझे मेरे शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलता है। मेरा सपना है कि मैं भी अपनी पसंदीदा बल्लेबाज स्मृति मंदाना की तरह बल्लेबाज बनूं और देश का नाम रौशन करूँ।

झुमुर का सपना हो रहा पूरा

8वीं कक्षा में अध्ययनरत झुमुर लकड़ा ने बताया कि उनका सपना था कि कभी वह राष्ट्रीय दल में खेलें जब उनका चयन राष्ट्रीय महिला क्रिकेट के अंडर-17 दल में हुआ तब उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। मेरे पिता का साया सिर से उठने के बाद मेरी माँ ने मुझे बहुत मेहनत से पाला। मेरी माँ का भी सपना था कि मैं उनका और अपने परिवार का नाम रौशन करूँ। छात्रावास में अधीक्षिका के द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन से यह संभव हो पाया कि मैं अब राष्ट्रीय स्तर पर अपने राज्य का प्रतिनिधित्व कर पा रहीं हूँ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950